तापमान

अधिकतम 31.6 डिग्री

न्यूनतम 25 डिग्री

हरिभूमि

इस्पात भूमि

रायपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

10 एचपीवी टीकाकरण में दुर्ग पिछड़ा, लक्ष्य...

11 बैंक और किसानों के बीच हुई सार्थक परिचर्चा...

85 हजार विद्यार्थी एक ही यूनिफॉर्म के सहारे स्कूल पहुंच रहे, दूसरी जोड़ी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नए शिक्षा सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ दुर्ग जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को नई यूनिफॉर्म मिल गई है। नई यूनिफॉर्म मिलने से बच्चे काफी उत्साहित हैं। लंबे समय के बाद यूनिफार्म बदली है। चेक शर्ट और गहरे नीले रंग की पैंट पहनकर छात्र स्कूल पहुंच रहे हैं। वहीं छात्राओं के लिए भी इसी रंग की यूनिफार्म दी गई है। शासन की योजना के तहत प्रत्येक विद्यार्थी को दो जोड़ी गणवेश मिलना है, लेकिन फिलहाल विद्यार्थियों को केवल एक ही जोड़ी यूनिफॉर्म वितरित की गई है। ऐसे में बच्चों को पूरे सप्ताह उसी एक यूनिफॉर्म के सहारे स्कूल जाना पड़ रहा है। दुर्ग जिले में कक्षा पहली से आठवीं तक कुल 85,062 विद्यार्थियों के लिए गणवेश वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक विद्यार्थी को दो सेट यूनिफार्म उपलब्ध कराया जाना है। इस आधार पर जिले में कुल 1,70,124 गणवेशों का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन 85 हजार विद्यार्थियों को ही यूनिफार्म मिल पाया है।

दुर्ग जिले में पहली से आठवीं तक के 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों को मिला एक-एक जोड़ी गणवेश

आधी आपूर्ति, आधा वितरण

15 जून तक दुर्ग जिले में 85,062 गणवेशों की आपूर्ति की गई थी। वहीं 17 जून तक इतनी ही संख्या में गणवेश विद्यार्थियों को वितरित भी कर दिए गए। इस तरह अभी तक प्रत्येक विद्यार्थी को केवल एक-एक जोड़ी यूनिफॉर्म ही मिल पाई है। दूसरी जोड़ी गणवेश की आपूर्ति और वितरण का इंतजार किया जा रहा है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों और उनके पालकों का कहना है कि एक जोड़ी यूनिफॉर्म होने के कारण उसे रोज पहनना मजबूरी बन गया है। सप्ताहभर लगातार उपयोग के बाद बच्चे छुट्टी के दिन यूनिफॉर्म धोते हैं और सोमवार को फिर उसी गणवेश में स्कूल पहुंच जाते हैं। बरसात के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है क्योंकि यूनिफॉर्म समय पर सूख नहीं पाती।

छात्राओं की बढ़ी चिंता

एक जोड़ी यूनिफॉर्म मिलने से सबसे अधिक परेशानी छात्राओं को हो रही है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं का कहना है कि रोज एक ही यूनिफॉर्म पहनने से स्वच्छता बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। बरसात के मौसम में कपड़े गंदे होने और भींग जाते हैं। सुबह एक जोड़ी यूनिफार्म को पहनकर स्कूल जाते हैं और शाम बारिश हो गई तो उसी यूनिफॉर्म धोकर रातभर सुखाना पड़ता है ताकि अगले दिन स्कूल जा सकें।

पुराने इस्तेमाल की मजबूरी

नई यूनिफॉर्म मिलने से विद्यार्थियों में उत्साह भी देखने को मिल रहा है। लेकिन कई स्कूलों में एक जोड़ी यूनिफार्म बारिश में गीले होने या गंदा होने पर दूसरे दिन पहनकर नहीं जा पाते। इसकी वजह से दूसरे दिन पुराने यूनिफार्म को पहनकर स्कूल जाने की मजबूरी है। स्कूलों में पुराने और नए यूनिफार्म का नजारा भी देखने मिल रहा है। एक तरह से इस समस्या का समाधान दो जोड़ी यूनिफार्म मिलने के बाद ही हो सकेगा।

दूसरी खेप का इंतजार

शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार दूसरी जोड़ी यूनिफॉर्म की आपूर्ति होने पर शेष गणवेश भी विद्यार्थियों को वितरित किए जाएंगे। जिले के स्कूलों को उम्मीद है कि जल्द ही दूसरी खेप पहुंच जाएगी, जिससे बच्चों को रोजाना एक ही यूनिफॉर्म पहनने की मजबूरी से राहत मिलेगी। पालकों और विद्यार्थियों दोनों की नजर अब दूसरी खेप के वितरण पर टिकी हुई है।

कक्षावार यूनिफार्म वितरण की स्थिति

कक्षा	विद्यार्थी
पहली	6,897
दूसरी	8,039
तीसरी	9,049
चौथी	10,417
पांचवीं	12,529
छठवी	11,887
सातवी	12,939
आठव	13,305
कुल	85062

आयुक्त पांडेय का तबादला, नई आयुक्त होंगी सुरूचि सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पांडेय का तबादला उच्च शिक्षा संचालय के अपर संचालक पद पर किया गया है। निगम की नई आयुक्त सुरूचि सिंह होंगी। सुरूचि सिंह मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजनांदगांव से तबादला होकर यहां आई हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव ने इस आशय का आदेश जारी किया है। हाल ही में आयुक्त पांडेय के खिलाफ महापौर और कांग्रेस पार्षदों द्वारा हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका खारिज हो गई थी। उसके बाद छह महीने के बाद एमआईसी की बैठक हुई। शहर में विकास को लेकर पार्षद अपने-अपने क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। निगम चुनाव केवल पांच महीने शेष है। माना जा रहा है कि राज्य सरकार निगम चुनाव के मद्देनजर आयुक्त सुरूचि सिंह की पदस्थापना की है। जल्द ही सुरुचि सिंह भिलाई निगम आयुक्त पद पर पदभार ग्रहण करेंगी।

पत्नी का गला घोटने का प्रयास, पति गिरफ्तार

भिलाई। घरेलू विवाद के कारण पति ने अपनी पत्नी का गला घोटकर हत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद पुलिस ने पति को गिरफ्तार किया है। भिलाई तीन पुलिस ने बताया कि आमा कुंआ चौक पुरैना भिलाई तीन निवासी मिथलेस यादव अपनी पत्नी के साथ मारपीट करता था। कुछ समय के लिए वह अपने मायके चली गई थी। विवाद होने पर पति मिथलेश ने पत्नी को जान से मारने की धमकी देकर गले को गमछा से गला घोट रहा था। पत्नी बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ी उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है।

दुर्ग स्टेशन पहुंचे डीआरएम, कामों की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

रेलवे के डीआरएम दयानंद जनशताब्दी एक्सप्रेस से दुर्ग रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां रेलखंड का निरीक्षण किया। उन्होंने रायपुर से दुर्ग तक लोकोमोटिव में निरीक्षण के माध्यम से रेल संरचना, संरक्षा, परिचालन व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान रेलवे के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों से जुड़े व्यवस्थाओं एवं कार्यों का चलती ट्रेन में दुर्ग स्टेशन पर रि-डेवलपमेंट कार्यों का निरीक्षण किया। रेल संरक्षा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मानसून के दृष्टिगत आवश्यक सेफ्टी व्यवस्थाओं का परीक्षण किया। डीआरएम ने ड्रेनेज सिस्टम का विशेष निरीक्षण किया।

डीआरएम ने निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु के दौरान रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म रेलवे ट्रैक के आसपास वर्षा का जल और ड्रेनेज का पानी सुगमता से बाहर निकल सके। जिससे यात्रियों रेल परिचालन पर किसी प्रकार की दिक्कत न हो। दुर्ग रेलवे स्टेशन पर स्टेशन रि-डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत संचालित स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। रेल परिचालन के साथ-साथ यात्रियों के लिए उपलब्ध यात्री सुविधाओं में कोई बाधा ना आए। इसको देखते हुए रि डेवलपमेंट के निर्माण कार्य किए जाए।

पार्सल, बुकिंग स्टोर का भी लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान ओवरहेड वाटर टैंक निर्माण , पार्सल कार्यालय, बुकिंग कार्यालय,स्टोर-कम-ऑफिस, स्टेशन परिसर में यात्रियों के सुरक्षित व सुगम आवागमन के लिए की जा रही व्यवस्थाओं, स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की प्रगति, पार्किंग व्यवस्था, यात्री प्रवेश, निकास मार्ग रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट समेत सुविधाओं का भी जायजा लिया। रेलवे डीआरएम दयानंद ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्टेशन रि-डेवलपमेंट योजना से संचालित सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों के अनुरूप पूर्ण किया। यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

खबर संक्षेप

आरक्षक लाइन अटैच

भिलाई। सड़क हादसे के बाद थाने में जब्त नई कार को छुड़वाने के लिए न्यायालय में चालान पेश करने के नाम पर 20 हजार रुपए का डिमांड करने वाले आरक्षक सोलोमन राजू को एसएसपी ने शिकायत के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। निलंबित आरक्षक सोलोमन राजू कुम्हारी थाने में पदस्थ था। अब उसे सस्पेंड कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। आदेश में बेमेतरा जिले के देवकर निवासी विमलेश कुमार द्विवेदी ने इसे लेकर शिकायत की थी। आरक्षक सोलोमन राजू ने रकम का डिमांड करने किया था। मामला 27 दिसंबर 2025 में हुए सड़क हादसे से जुड़ा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस दौरान खर्चा-पानी के नाम पर कई बार पैसे मांगे गए। उन्होंने कई बार रकम भी दी। उनकी नई किया सोनेट कार पुलिस ने जब्त कर ली थी। 7 जुलाई 2025 को कोर्ट से गाड़ी छुड़ाने की प्रक्रिया चल रही थी। उनका आरोप है कि पहले 1500 रुपए लिए गए, फिर फोटोकॉपी के नाम पर पैसे मांगे गए।

12 जुआरियों से 9.04 लाख बरामद, मोबाइल और कई वाहन जब्त

भिलाई। जुआ खेल रहे 12 जुआरियों से पुलिस ने दबिश देकर लाखों रुपए नगदी बरामद किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रायपुर नाका क्षेत्र में हार-जीत का जुआ खेलने की शिकायत मिली। घेराबंदी कर जुआरियों को पकड़ा गया। जिसमें सेक्टर-5, भिलाई निवासी मयंक गावड़े, चिल्फी लीलापुर वार्ड-8, बजरंग चौक प्रहलाद शर्मा, सदर बाजार, रायपुर राजीव तिवारी, रुआबांधा हेमलाल ढीमर, खमहरिया बेमेतरा मनीष रात्रे, कबीरधाम पंकज कुमार काठले, दुर्गेश कुमार बर्मन, ग्राम कांदुल, मुजगहन रायपुर नागेश्वर साहू, उतई पंकज वर्मा, मोतीपुर, थाना पंडरिया, जिला कबीरधाम हेमनंदन डहरे, सिविल लाइन रायपुर संजय चोपड़ा,हनुमान नगर दुर्ग अमित सिंह को पकड़ा गया है। जुआरियों के पास से नगद 9.4 लाख, 10 मोबाइल, वाहन और ताश पत्ती जब्त किया गया। पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि जुआ, सट्टा, अन्य अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को दें। कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

एचपीवी टीकाकरण में दुर्ग पिछड़ा, लक्ष्य का सिर्फ 21% ही कर पाया पूरा

18,715 बच्चों के लक्ष्य के मुकाबले केवल 3,847 को लगा टीका, टॉप 10 में भी नहीं बना पाया स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे एचपीवी (HPV) टीकाकरण अभियान में दुर्ग जिला उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सका। स्वास्थ्य विभाग रायपुर द्वारा 28 फरवरी से 29 जून 2026 तक जारी प्रगतिशील रिपोर्ट के अनुसार, दुर्ग जिला लक्ष्य का केवल 21 प्रतिशत ही पूरा कर पाया।

जिले में 18,715 बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन अब तक केवल 3,847 बच्चों का ही टीकाकरण हो सका। इस प्रदर्शन के साथ दुर्ग प्रदेश में 11वें स्थान पर रहा और शीर्ष दस जिलों में भी जगह नहीं बना सका।

राज्यभर में इस अवधि के दौरान 18,264 टीकाकरण सत्र प्रस्तावित किए गए थे, जिनमें 15,443 सत्र आयोजित हुए। प्रदेश में 3,12,522 बच्चों के लक्ष्य के मुकाबले 60,953 बच्चों का टीकाकरण हुआ, जो कुल लक्ष्य का लगभग 20 प्रतिशत है। प्रदेश में सबसे बेहतर प्रदर्शन बलरामपुर-रामानुजगंज जिले का रहा। यहां 8,785 बच्चों के लक्ष्य के मुकाबले 7,931 बच्चों को टीका लगाया गया और जिले ने 90 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। कोरिया भी 2,375 के लक्ष्य में 2,129 बच्चों का टीकाकरण कर 90 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद बालोद में 8,498 के लक्ष्य के विरुद्ध 3,861 बच्चों का टीकाकरण (45 प्रतिशत), रायगढ़ में 12,768 के लक्ष्य के मुकाबले 5,428 (43 प्रतिशत), गरियाबंद में 6,747 में से 2,692 (40 प्रतिशत), राजनांदगांव में 10,452 में से 3,882 (37 प्रतिशत), सूरजपुर में 9,111 में से 2,894 (32 प्रतिशत), एमसीबी (मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) में 4,088 में से 1,222 (30 प्रतिशत), महासमुंद में 11,500 में से 2,898 (25 प्रतिशत) तथा सरगुजा में 13,794 के लक्ष्य के मुकाबले 3,324 बच्चों का टीकाकरण हुआ, जिससे यह जिला 24 प्रतिशत उपलब्धि के साथ शीर्ष दस में शामिल रहा।

3 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज

दुर्ग के बाद मुंगेली में 9,199 के लक्ष्य के विरुद्ध 1,701 बच्चों (18 प्रतिशत), सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 7,282 में से 1,318 (18 प्रतिशत), खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 4,464 में से 756 (17 प्रतिशत), मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 3,450 में से 529 (15 प्रतिशत), बीजापुर में 3,161 में से 443 (14 प्रतिशत), कोरबा में 13,892 में से 1,927 (14 प्रतिशत), धमतरी में 8,544 में से 1,168 (14 प्रतिशत), जशपुर में 9,638 में से 1,228 (13 प्रतिशत) तथा बेमेतरा में 11,843 के लक्ष्य में 1,431 बच्चों को टीका लगाया गया, जो 12 प्रतिशत उपलब्धि रही। आगे दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में 3,163 के लक्ष्य के मुकाबले 316 (10 प्रतिशत), कबीरधाम में 12,003 में से 1,160 (10 प्रतिशत), रायपुर में 28,793 में से 2,781 (10 प्रतिशत), गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 3,893 में से 369 (9 प्रतिशत), सक्ति में 8,100 में से 759 (9 प्रतिशत), बस्तर में 9,554 में से 811 (8 प्रतिशत), बलौदाबाजार-भाटापारा में 15,379 में से 1,280 (8 प्रतिशत) तथा बिलासपुर में 22,363 के लक्ष्य के मुकाबले 1,747 बच्चों का टीकाकरण हुआ, जो 8 प्रतिशत उपलब्धि है। सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों में उत्तर बस्तर कांकेर ने 8,163 के लक्ष्य के मुकाबले 348 बच्चों (4 प्रतिशत), सुकमा ने 3,018 में से 117 (4 प्रतिशत), जांजगीर-चांपा ने 11,380 में से 417 (4 प्रतिशत), कोंडागांव ने 6,721 में से 193 (3 प्रतिशत) तथा नारायणपुर ने 1,686 के लक्ष्य में केवल 46 बच्चों का टीकाकरण कर 3 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की।

जागरूकता बढ़ाकर लक्ष्य हासिल करने की तैयारी

एचपीवी टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के लिए स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और स्वास्थ्य संस्थानों के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वहीं 13 से 18 जुलाई तक जिले के सभी स्कूलों में विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभिभावकों से अपील की जा रही है कि वे पात्र बच्चियों का समय पर टीकाकरण कराएं। एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का प्रभावी माध्यम है। **-हितेन्द्र कोसरे,** बीईटीओए भिलाई

खबर संक्षेप

आरोपी सोमेश को कलेक्टर ने किया जिलाबदर

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अभिजीत सिंह ने आरोपी सोमेश वैष्णव के आपराधिक आचरण एवं प्रवृत्ति पर नियंत्रण किए जाने तथा आम जनता में अमन-चैन, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के वैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत जिलाबदर की कार्रवाई की है। सोमेश पिता स्वर्गीय गन्नू दास वैष्णव उम्र 37 वर्ष ग्राम अंजोरा को राजस्व जिला दुर्ग एवं उसके सीमावर्ती जिले राजनांदगांव, रायपुर, धमतरी, बेमेतरा, बालोद एवं खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों की सीमाओं से आदेश पारित की तिथि से एक सप्ताह के भीतर अपने आपको हटा लेने अथवा बाहर चले जाने कहा गया है। साथ ही बदमाश सोमेश को इस तिथि से एक वर्ष की अवधि तक उक्त जिलों की सीमाओं में जिला दण्डाधिकारी की बिना अनुमति के प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। आरोपी के विरुद्ध लूट, अपहरण, उदण्डता करना, लोगों को मारना-पीटना, अवैध रूप से हथियार रखकर शराब की बिक्री करना एवं लड़ाई-झगड़ा कर मारपीट करने जैसे कई गंभीर अपराध करने की आदत है। आरोपी के विरुद्ध थाना पुलगांव में कई अपराध पंजीबद्ध हैं।

जिले के 66 सरकारी स्कूलों के भवन और कमरे जर्जर, अब किए जाएंगे सभी डिस्मेंटल

विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने दी अनुमति

हरिभूमि
दुर्ग जिले में 159 स्कूलों के कमरे जर्जर, इनमें से 80 को ध्वस्त करना है, पर न हथौड़ा चला और न मरम्मत हुई

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले के 66 सरकारी स्कूलों के जर्जर भवनों और कमरों को डिस्मेंटल किया जाएगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने डिस्मेंटल (ध्वस्त) करने की अनुमति दे दी है। हरिभूमि ने जर्जर स्कूलों की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित की थी। जिला शिक्षा अधिकारी और लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग के प्रतिवेदन और प्रस्ताव के आधार पर इन अनुपयोगी और असुरक्षित ढांचों को निष्प्रयोज्य घोषित किया गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि वर्तमान में चिन्हित किए गए स्कूलों के अतिरिक्त, क्षेत्र के अन्य जर्जर भवनों (शेष) का भी लोक निर्माण विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण कर प्रतिवेदन तैयार किया जा रहा है, जिसके आधार पर शीघ्र ही उन्हें भी डिस्मेंटल करने की अनुमति प्रदान की जाएगी।

दुर्ग के जर्जर स्कूल भवन होंगे ध्वस्त

दुर्ग विकासखंड के अंतर्गत कुल 08 शासकीय स्कूलों के जर्जर कक्ष/भवन शमिल हैं। जिसमें प्राथमिक शाला तितुरडीह क्रमांक 01 के 3 कक्ष और 1 हॉल, प्राथमिक शाला कातुलबोड़ के 5 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला सुपेला के 9 कक्ष, प्राथमिक शाला सुपेला क्रमांक 01 के 10 कमरा, पूर्व माध्यमिक शाला वृन्दानगर के 1 कक्ष, प्राथमिक शाला जुनवानी के 04 कक्ष, प्राथमिक शाला सुभाषनगर के 04 कक्ष व 1 बरामदा और प्राथमिक शाला केम्प 01 के भवन डिस्मेंटल होंगे।

धमधा ब्लॉक में 26 जर्जर

धमधा विकासखंड के तहत कुल 26 शासकीय स्कूलों के जर्जर कक्ष/भवन शामिल हैं। जिसके तहत प्राथमिक शाला ठेंगाभाट का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला धौराभांठा के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला सुरडुंग के कुल 03 कक्ष, 02 बरामदा व 1 सीढ़ी, प्राथमिक शाला लिमतरा के 04 कक्ष, प्राथमिक शाला रिंगनी के 02 कक्ष व 01 बरामदा, प्राथमिक शाला गोढ़ी के 02 कक्ष व 01 बरामदा, प्राथमिक शाला दारगांव के 02 कक्ष व 01 हाल, प्राथमिक शाला मोहलई का 01 कक्ष व 01 हाल, प्राथमिक शाला मोहरेंगा के 04 कक्ष व 01 हाल, प्राथमिक शाला मुड़पार ना. के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला सेमरिया गि. के 07 कक्ष व 01 हाल, प्राथमिक शाला न.अकोला का 01 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला गोढ़ी के 03 कक्ष व 01 हॉल, तथा प्राथमिक शाला पाहरा के 04 कक्ष व 01 बरामदा को ढहाया जाएगा। इसके साथ ही प्राथमिक माध्यमिक शाला जरवाय के 02 कक्ष व 01 बरामदा, प्राथमिक शाला धिकुड़िया के 02 कक्ष व 01 हॉल, पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया गि. के 4 कक्ष व 01 हॉल, प्राथमिक शाला नंदौरी के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला हरदी का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला पिटौरा के 02 कक्ष, शासकीय प्राथमिक शाला सांकरा के 03 कक्ष, प्राथमिक शाला मलपुरीखुर्द का 01 कक्ष (किचन), प्राथमिक शाला मुरमुंदा के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला अहिवारा के 05 कक्ष, प्राथमिक शाला खेरधा का 01 कक्ष और पूर्व माध्यमिक शाला खेरधा के 02 कक्ष व 01 बरामदा भी डिस्मेंटल किया जाएगा।

पाटन ब्लॉक में 32 स्कूलों में यह स्थिति

पाटन विकासखंड के अंतर्गत आने वाले कुल 32 शासकीय स्कूलों में भी यह कार्रवाई की जा रही है, जिसमें प्राथमिक शाला सोनपुर के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला खम्हरिया ड का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला गाड़ाडीह के 3 कक्ष व शौचालय, प्राथमिक शाला बोदल (मटंग) के 4 कक्ष व शौचालय, प्राथमिक शाला चीचा का 1 कक्ष, प्राथमिक शाला नवागांव के 2 कक्ष, प्राथमिक शाला परेवाडीह का 1 कक्ष, प्राथमिक शाला गोंड़पेण्डी का 1 कक्ष, प्राथमिक शाला पहन्दा अ के 13 कक्ष व 2 बरामदा, कन्या पूर्व माध्यमिक शाला पाटन के 04 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला जमराव का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला मजार चौक सेलूद का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला धूमा के 04 कक्ष, प्राथमिक शाला शुक्लाडीह का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला डीह का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला दरबारमोखली के 04 कक्ष, प्राथमिक शाला देमार नवागांव का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला लोहरसी वरि. के 02 कक्ष, प्राथमिक शाला भांठागांव का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला बालक जामगांव एम के 02 कक्ष तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झीट का 01 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला सांकरा का 01 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला असोगा का 01 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला तुलसी का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला बजरंगपारा अमलेश्वर का 01 कक्ष, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद का 01 कक्ष, प्राथमिक शाला सिपकोना के 03 कक्ष, प्राथमिक शाला सेजस रानीतराई का 01 कक्ष,प्राथमिक शाला सेलूद का 01 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला मर्रा के 02 कक्ष, पूर्व माध्यमिक शाला केसरा का 01 कक्ष और प्राथमिक शाला मनसुली के का 01 कक्ष डिस्मेंटल किया जाएगा।

भिलाई, रिसाली, जामुल और भिलाई-चरोदा निकाय के वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया हुई शुरू

भिलाई। निकाय चुनाव से पहले वार्ड आरक्षण की कवायद शुरू हो गई है। भिलाई निगम के 70 और रिसाली निगम के 40 वार्डों का होगा निर्धारण किया जाएगा। भिलाई तीन चरोदा निगम में 40 वार्ड और जामुल पालिका के 20 वार्डों का भी आरक्षण होगा। कलेक्टर को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आदेश जारी कर वार्डवार आरक्षण कर इसकी सूची मंगवाई है। तीनों की निगमों में महापौर पद का आरक्षण पहले ही हो चुका है। जामुल पालिका अध्यक्ष का भी आरक्षण किया जा चुका है। अब पार्षद चुनाव के लिए वार्डों की आरक्षण प्रक्रिया शुरू की जानी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार दुर्ग जिले में नगर निगम भिलाई और नगर निगम रिसाली सहित अन्य निकायों के वार्डों का आरक्षण किया जाएगा। इसके लिए दुर्ग कलेक्टर को प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया गया है।

00 भिलाई व रिसाली के 110 वार्डों का होगा आरक्षण

दुर्ग जिले के दो प्रमुख निगमों में भिलाई नगर निगम के 70 तथा रिसाली नगर निगम के 40 वार्ड हैं। कुल 110 वार्डों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला वर्ग के लिए आरक्षण तय किया जाएगा। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह स्पष्ट होगा कि कौन से वार्ड किस वर्ग के लिए आरक्षित होंगे और किन वार्डों में सामान्य श्रेणी से चुनाव लड़ा जा सकेगा। निकाय चुनाव की दृष्टि से यह प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि आरक्षण सूची जारी होने के बाद ही संभावित प्रत्याशी अपने चुनावी क्षेत्र तय कर पाएंगे। कई वर्तमान पार्षदों और दावेदारों की निगाहें अब वार्ड आरक्षण सूची पर टिकी हुई हैं।

महापौर पद और अध्यक्ष पर पहले से ही आरक्षित

भिलाई निगम में महापौर पद पिछड़ा वर्ग सामान्य के लिए आरक्षित हो चुका है। रिसाली निगम का महापौर पद अनूसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हो गया है। भिलाई तीन चरोदा निगम पिछड़ा वर्ग सामान्य और जामुल नगर पालिका अध्यक्ष पद महिला पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित हो चुका है। इन निकायों में अभी से ही चुनावी सरगर्मी भी तेज हो गई है। दावेदार अपने-अपने हिसाब से तैयारी कर रहे हैं।

बलात्कार के मामले में कोर्ट ने गर्भपात का आदेश किया पारित

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

पद्मनाभपुर थाने में दर्ज बलात्कार के एक मामले में कोर्ट ने एक अहम आदेश पारित किया है। मामले में कोर्ट ने पीड़िता के गर्भवती होने पर गर्भपात कराने और भ्रूण को डीएनए के लिए संरक्षित रखने का आदेश दिया है।

- न्यायाधीश भूपेश कुमार बसंत के न्यायालय से आदेश पारित

न्यायाधीश भूपेश कुमार बसंत ने यह आदेश जारी किया है। मामले में पीड़िता की तरफ से पैरवी अधिवक्ता सौरभ चौबे ने की। उन्होंने की मामले में आवेदन प्रस्तुत किया। प्रस्तुत आवेदन पर आवेदिका के अधिवक्ता ने तर्क में व्यक्त किया कि आवेदिका द्वारा अभियुक्त के विरुद्ध थाना पद्मनाभपुर में अपराध क्रमांक 404/2026 धारा 69 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कराया गया है। प्रार्थिया अभियुक्त के कारण गर्भवती हुई है। प्रार्थिया के भ्रूण को डीएनए टेस्ट हेतु संरक्षित कर प्रार्थिया को गर्भपात कराने की अनुमति दिया जाना आवश्यक है। अतः आवेदन स्वीकार कर थाना प्रभारी को शासकीय चिकित्सक के माध्यम से प्रार्थिया का गर्भपात कराते हुए भ्रूण को डीएनए हेतु संरक्षित करने हेतु आदेशित किये जाने का निवेदन न्यायाधीश के समक्ष किया गया। प्रकरण के तथ्य एवं परिस्थितियों के दृष्टिगत थाना प्रभारी पद्मनाभपुर एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को निर्देशित किया गया कि आवेदिका के भ्रूण को डीएएन हेतु सरंक्षित करने के संबंध में विधि अनुसार कार्यवाही करें। आवेदिका के गर्भपात करने के संबंध में पीड़िता के स्वास्थ्य को किसी प्रकार की हानि न हो। उसके स्वास्थ्य पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए गर्भ का चिकित्सीय समापन अधिनियम 1971 में वर्णित प्रावधानुसार कार्यवाही करने की अनुमति प्रदान की गई। अधिवक्ता सौरभ चौबे ने बताया कि आवेदन के परिप्रेक्ष्य में थाना पद्मनाभपुर की केस डायरी का अवलोकन किया गया। अवलोकन से दर्शित रिपोर्ट पर अभियुक्त महेश्वर बांधे के विरुद्ध थाना पद्मनाभपुर में 1 जुलाई को अपराध दर्ज किया गया था। अपराध पंजीबद्ध होने के उपरांत थाना पुलिस द्वारा पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण जिला चिकित्सालय दुर्ग में कराया गया। चिकित्सीय परीक्षण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि पीड़िता बलात्कार की घटना के परिणामस्वरूप गर्भवती होने की बात सामने आई थी।

ग्रामीणों ने जाना आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति और किस्त भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार सह आवास दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर वीबीजी रामजी योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत संचालित

- पंचायतों में ग्रामीणों को दी जा रही योजनाओं की जानकारी

विभिन्न गतिविधियों तथा हितग्राहियों को मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा की गई। आवास निर्माण की वर्तमान स्थिति, जियो टैगिंग, किश्त भुगतान, निर्माण सामग्री की उपलब्धता एवं आपूर्ति सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही हितग्राहियों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया गया। सीईओ बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि रोजगार सह आवास दिवस के दौरान अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने पर विशेष जोर दिया गया। स्वीकृत आवासों में लंबित प्रथम किश्तों की जानकारी साझा करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। डीलर दीदी पहल को बढ़ावा देते हुए नई डीलर दीदियों को निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने की व्यवस्था से जोड़ने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर लखपति दीदी बनने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान वीबीजी रामजी योजना के व्यापक जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि योजना के अंतर्गत कार्य की मांग प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि मजदूरी का भुगतान सात दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक व्यय की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दी गई है। कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर प्राप्त समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई। धमधा की लिमतरा, नंदवाय, पेण्डरीतराई एवं नदनी-खुंदनी, जनपद पंचायत

नियमों का उल्लंघन पर मेसर्स मानिक मेडिकल का औषधि लाइसेंस निरस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

- नियमों का पालन करते हुए ही कर सकेंगे संग्रहण एवं विक्रय

औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन पाए जाने पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक द्वारा कार्रवाई करते हुए मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स अहिवारा का औषधि लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जून को सहायक औषधि नियंत्रक संजय सिंह झडेकार एवं औषधि निरीक्षक गायत्री पटेल द्वारा मेसर्स मानिक मेडिकल स्टोर्स बस स्टैण्ड के सामने अहिवारा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उक्त संस्थान में अन्य औषधियों के साथ अनवांटेड किट, एमटीपी किट का एक नग पाया गया। मौके पर संचालक द्वारा इस संवेदनशील औषधि के संबंध में कोई भी वैध क्रय-विक्रय रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं किया गया। अवैध रूप से दवा रखने और रिकॉर्ड न होने के कारण फर्म को विगत 24 जून को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। इस संबंध में फर्म द्वारा 30 जून को कार्यालय में अपना जवाब प्रस्तुत किया गया, जिसमें संचालक ने उक्त औषधि से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज या बिल प्रस्तुत करने में असमर्थता जाहिर की। फर्म के इस कृत्य को औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के नियमों का स्पष्ट और गंभीर उल्लंघन मानते हुए, औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी एवं सहायक औषधि नियंत्रक श्री संजय सिंह झडेकार द्वारा 6 जुलाई को मेसर्स

ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत तैयार की गई हैं कि यह डबरियां व नवा तरिया

मोर गांव-मोर पानी अभियान का असर, डबरियों और तालाब हुए रिचार्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

मानसून की सक्रियता के साथ ही जिले में संचालित मोर गांव–मोर पानी महाअभियान के सकारात्मक परिणाम अब गांव-गांव में स्पष्ट रूप

- जिला पंचायत सीईओ ने की समीक्षा

से दिखाई देने लगे हैं। पिछले कुछ दिनों से हुई अच्छी वर्षा के कारण अभियान के तहत निर्मित आजीविका डबरियां, नवा तरिया तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाएं तेजी से पानी से भर रही हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता बढ़ने के साथ-साथ कृषि, सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य ग्रामीण आजीविका गतिविधियों को नई मजबूती मिल रही है।

मोर गांव-मोर पानी' अभियान के अंतर्गत जिले में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य केवल जल संरचनाओं का निर्माण करना नहीं, बल्कि उन्हें ग्रामीण समृद्धि का स्थायी आधार बनाना है। मानसून की वर्षा के साथ इन संरचनाओं के भरने से यह स्पष्ट हो गया है कि यह अभियान जल संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सृजन, कृषि उत्पादकता में वृद्धि तथा ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में प्रभावी परिणाम दे रहा है।

112 से ज्यादा डबरियां और तालाबों में भरा पानी

जिले में निर्मित 30 आजीविका डबरियां वर्षा जल का प्रभावी संचयन कर रही हैं। वहीं 'नवा तरिया–आय के जरिया' पहल के अंतर्गत निर्मित 112 डबरी एवं तालाब भी वर्षा जल से लबालब भरने लगे हैं। इन जल संरचनाओं से मत्स्य पालन, सिंचाई, बागवानी तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों के लिए वर्षभर स्थायी जल स्रोत उपलब्ध होंगे। जुलाई से लागू विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण वीबी जी राम जी के अंतर्गत 303 जल संरक्षण एवं जल संवर्धन कार्यों को गति दी जा रही है। इन कार्यों से वर्षा जल का अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण तथा ग्रामीण आजीविका को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

300 पंचायतों में जल संरक्षण को लेकर अभियान

भू-जल स्तर बढ़ाने तथा वर्षा जल के अधिकतम संरक्षण के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मोर गांव–मोर पानी अभियान 2.0 एवं मनरेगा के प्रभावी समन्वय से व्यापक स्तर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य किए गए हैं। कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले की 300 ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी के साथ जल संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी गई। वित्तीय वर्ष में 55,965 वाटर एब्जॉर्पशन ट्रेंच, 15 परकोलेशन पॉण्ड, 834 रिचार्ज पिट, 1,324 रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाएं, 9,663 सोख्ता गड्ढे, 123 ग्राम तालाब, 20,518 कंटूर ट्रेंच, 26 चेक डैम तथा 28 बोरवेल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया गया। मनरेगा के तहत अब तक 33 करोड़ 91 लाख 90 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

पशु क्रूरता, जुर्म दर्ज

भिलाई। एक आवारा श्वान के पिल्ले की लात मारने से मौत होने का मामला सामने आया है। घटना स्मृति नगर चौकी क्षेत्र की है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता हिमांशु उपाध्याय ने बताया कि 5 जुलाई की शाम स्मृति नगर मेन रोड पर टहल रहा था। बारिश से बचने के लिए एक पिल्ला मां बम्लेश्वरी ऑटो सेंटर के सामने खड़ा था। ऑटो सेंटर के संचालक ने पिल्ले को वहां से हटाने के लिए उसे जोर से लात मार दी। लात लगने से पिल्ला पास में बनी पानी की टंकी में जा गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने कुछ देर बाद उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के अगले दिन हिमांशु उपाध्याय अपने साथी शशिकांत बोल्ला के साथ पुलिस चौकी में संचालक के खिलाफ अपराध दर्ज कराया। मामले में पुलिस ने बीएनएस की धारा 325 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11 के तहत जुर्म दर्ज किया।

अमरनाथ यात्रा के लिए कुम्हारी से 22 भक्त रवाना

कुम्हारी। नगर पालिका क्षेत्र कुम्हारी से बाबा बर्फानी के 22 भक्तों का जत्था मंगलवार को स्टेशन चौक से अमरनाथ के लिए रवाना हुआ। जिनमे दीपक सिंह बैस , प्रेम प्रकाश गोंड़, उमा शंकर क्षेत्री, कुंदन साहू , जसवंत गोंड़, कैलाश, राकेश साहू, चितरंजन साहू, राजू क्षेत्री, मनोज सिंह राजपूत एवं ज्ञान साहू सहित 22 लोग शामिल हैं। इनकी यात्रा 10 जुलाई को बालटाल से शुरू होगी।

भाजपाइयों ने मनाई मुखर्जी की जयंती

सेलूद। भारतीय जनता पार्टी उत्तर पाटन मंडल ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

निकुम में हुई कंप्यूटर दक्षता कौशल परीक्षा

निकुम। ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली बच्चों में डिजिटल दक्षता कंप्यूटर प्रशिक्षण में निशुल्क प्रवेश देने एस आर कंप्यूटर एंड इन्फोटेक निकुम द्वारा शासकीय भारतीय पुकेशवर सिंह भारदिया कॉलेज निकुम में टैलेंट परीक्षा ली गई। जिसमें बच्चो ने बड़ी संख्या में बेसिक कंप्यूटर परीक्षा दिलाई। संस्था प्रमुख रूपेंद्र कुमार ने बताया कि बच्चो को कंप्यूटर शिक्षा में मेरिट के आधार पर निशुल्क कंप्यूटर शिक्षा मिलेगी, ताकि ग्रामीण अंचल के बच्चो को डिजिटल कंप्यूटर साक्षरता का लाभ मिले।

।। दावा आपत्ति सूचना ।।

क्र./ 611/ राज.वि./ दुकान नामां./ 2026
कुम्हारी, दिनांक 07/07/2026

नगर पालिका परिषद कुम्हारी में आई.डी.एस.एम.टी. योजना अंतर्गत वार्ड क्र.-13 टोल प्लाजा में निर्मित दुकान क्र. 11 का क्रय-विक्रय/ वारिसान/ मृत्यु आधार नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 109 व अचल संपत्ति अंतरण नियम 1996 के प्रावधानों के तहत नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं, यदि किसी भी व्यक्ति /संस्था /समुदाय को आपत्ति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने की तिथि से 30 दिन के अन्दर लिखित में नगर पालिका कार्यालय में अपना दावा /आपत्ति आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। दुकान नामांतरण संबंधी विवरण निम्नानुसार हैं :-

क्र.1, हस्तांतरणकर्ता का नाम व पता- श्रीमती अमरावती देवी, पति- श्री बृजभूषण पाण्डेय, वार्ड क्रं.- 14 कुम्हारी (छ.ग.), हस्तांतरिती का नाम व पता- श्री राकेश कुमार पाण्डेय, पिता- श्री बृज भूषण पाण्डये, वार्ड क्रं.- 14 कुम्हारी, जिला- दुर्ग (छ.ग.), दुकान का विवरण- दुकान क्रं.-11 आई.डी.एस.एम. टी. योजना अंतर्गत वार्ड क्रं.-13 टोल प्लाजा के समीप निर्मित व्यावसायिक परिसर कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.), नामांतरण का आधार- मृत्यु के आधार पर।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

किसानों के साथ बैंक ने किया छल, किसान नेता चंदेल ने आरोप लगाया

बैंक और किसानों के बीच हुई सार्थक परिचर्चा कर्जमाफी सूची व प्रस्ताव की जानकारी मांगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमधा

भिलाई नेहरू नगर स्थित बैंक प्रबंधन से हुई बातचीत

कर्जमाफी से वंचित किसानों के मामले को लेकर दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में जिला कॉपरेटिव बैंक कार्यालय में सीईओ, नेहरू नगर भिलाई के बैंक अधिकारियों एवं किसानों के बीच बातचीत हुई। बैठक में जिला प्रशासन ने बैंक अधिकारियों से कर्जमाफी प्राप्त एवं वंचित किसानों की नामवार सूची उपलब्ध कराने के साथ-साथ यह जानकारी भी मांगी कि किन आधारों पर कर्जमाफी का प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेजा गया था।

बैठक के दौरान प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसानों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन ने बैंक अधिकारियों से पूरी प्रक्रिया की पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने तथा किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल ने कहा कि नेहरू नगर भिलाई स्थित बैंक में लगभग केवल 20 चिन्हित किसानों का ही कर्ज माफ किया गया, जबकि शेष पात्र किसानों को किस आधार पर वंचित रखा गया, इसका संतोषजनक जवाब बैंक अधिकारी नहीं दे सके। इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर बैंक अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।

वहीं जिला भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष रोहित राजपूत ने कहा कि किसानों के साथ इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पात्र किसानों को उनका पूरा अधिकार मिलना चाहिए। यदि प्रशासनिक एवं बैंक स्तर पर न्यायसंगत समाधान नहीं हुआ तो किसानों के हित में माननीय उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए भी बाध्य होना पड़ेगा।

बैठक में प्रशासन ने बैंक से कर्जमाफी की संपूर्ण प्रक्रिया, पात्रता के आधार एवं भेजे गए प्रस्तावों का विस्तृत विवरण उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही किसानों की शिकायतों का निष्पक्ष परीक्षण कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया और आगामी 20 जुलाई को पुनः अंतिम बैठक किसानों और बैंक अधिकारियों की बैठक जिला कॉपरेटिव बैंक सीईओ के समक्ष होगी। बैठक में डॉ. जोहन वर्मा (पूर्व जनपद सदस्य), पंचराम साहू, भानु साहू और मनसुख साहू सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

तिरगा में जर्जर मकान की दीवार गिरी, बड़े हादसे का बना खतरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम तिरगा के वार्ड क्रमांक 14 में रहने वाले चैतराम निषाद एवं जगौती बाई का मकान अत्यंत जर्जर स्थिति में है। मकान रहने योग्य नहीं होने के बावजूद परिवार को अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पाया है।

परिवार ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवेदन किया था और ऑनलाइन प्रक्रिया भी पूरी की थी, लेकिन उनका नाम अब तक पात्र हितग्राहियों की सूची में शामिल नहीं हुआ। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार जर्जर मकान में रहने को विवश है। लगातार हो रही बारिश के बीच मकान की स्थिति और भी खराब हो गई है। तेज बारिश के कारण मकान की एक दीवार आधी गिर चुकी है, जबकि शेष हिस्सा भी कभी भी ढह सकता है। मकान के छप्पर पर केवल झिल्ली डाली गई है, जिससे बारिश का पानी पूरे घर में भर गया है। ऐसे हालात में परिवार भय के साये में जीवन यापन कर रहा है। इस संबंध में उपसरपंच सुखितराम ढीमर ने बताया कि लगातार बारिश के कारण जर्जर मकान की स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। वहीं गौवतार बाई ढीमर दुखितराम ढीमर(पति) (वार्ड क्रमांक 8) ने भी मकान की खराब स्थिति की जानकारी दी।

ग्राम में यह जर्जर मकान अब किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है। बारिश के इस मौसम में परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

आज बच्चों के पोषण और शिक्षा पर ध्यान देंगे तो कल का भारत और होगा मजबूत : विधायक ललित

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग/अंडा

ग्राम अछोटी स्थित आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-03 में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पौधरोपण और अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने सुपोषण वृक्ष के रूप में मुनगा और केला के पौधों का रोपण किया। साथ ही नन्हे शिशुओं वेदांत, टिंकल व सार्थक का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराकर उन्हें शुभाशीष प्रदान किया।

- विधायक चंद्राकर ने अछोटी आंगनबाड़ी में किया पौधरोपण और अन्नप्राशन

विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना और बच्चों के पोषण को लेकर जागरूकता फैलाना हैं। मुनगा और केला जैसे सुपोषण वृक्ष हमारे बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। ये नन्हे बच्चे वेदांत, टिंकल और सार्थक ही हमारे उज्ज्वल भारत का भविष्य हैं। अगर हम आज इनके पोषण और शिक्षा पर ध्यान देंगे, तो कल का भारत और मजबूत बनेगा। विधायक ने सभी से प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने घर, ऑफिस, स्कूल, कॉलेज या सार्वजनिक स्थानों पर जहां भी खाली जगह हो, वहां एक पेड़ अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल करें। विधायक ने उपस्थित माताओं से आग्रह किया कि वे बच्चों को पौष्टिक आहार दें और आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

कार्यक्रम में लिकेश्वर देशमुख, डिलेस गब्बर साहू, झन्ना दिल्लीवार, बेला यादव, लक्ष्मण यादव, आरके जामुलकर, उषा झा, नोमेश्वर पीपारिया, मोरजध्वज यदु सहित विभागीय अधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामवासी उपस्थित थे।

52 सीटर स्कूल बस में 100 से अधिक बच्चों को बैठाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंडा

बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित श्री हरि पब्लिक स्कूल, खप्परवाड़ा की स्कूल बस में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर परिवहन किए जाने का मामला सामने आया है। इससे विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

- विद्यार्थियों की सुरक्षा पर उठे सवाल

स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, सुबह के समय डगनिया बस स्टैंड के पास स्कूल बस को रोककर देखने पर पाया गया कि 52 सीटों वाली बस में लगभग 100 से 110 बच्चों को बैठाकर स्कूल ले जाया जा रहा था। बस में बच्चों की संख्या अधिक होने से कई विद्यार्थियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा था, जिससे दुर्घटना की स्थिति में बड़ा खतरा उत्पन्न हो सकता है।

मौके पर मौजूद बस चालक उमर दास देशमुख तथा बस परिचालक यादेश कुमार, दोनों निवासी डगनिया, ने बताया कि बस प्रतिदिन 10 से 12 गांवों से बच्चों को लेकर स्कूल पहुंचती है।

क्षेत्र के लोगों का कहना है कि स्कूली बच्चों के परिवहन में सुरक्षा मानकों का पालन किया जाना आवश्यक है। यदि बस में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जा रहा है, तो यह गंभीर लापरवाही का विषय है और संबंधित विभाग को इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

अब अभिभावकों और ग्रामीणों ने मांग की है कि परिवहन विभाग एवं शिक्षा विभाग इस मामले की जांच कर स्कूल प्रबंधन को सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दें, ताकि बच्चों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता न हो।

बिजनेस साइट

एसआर हॉस्पिटल में युवक को मिला जीवनदान

दुर्ग। चिखली स्थित एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डॉक्टरों ने जटील ऑपरेशन कर एक युवक की जान बचा ली। पेट के असहनीय दर्द से तड़प रहे एक युवक की आंतें हर्निया में फंस गई थीं, जिसका डॉक्टरों की टीम ने रात में ही सफल ऑपरेशन किया। समय पर इलाज मिलने से युवक के शरीर में जहर फैलने का खतरा टल गया और अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है।

अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, युवक को अचानक पेट में तेज दर्द उठा, जिसके बाद उसे बेहद गंभीर हालत में देर रात आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों को पता चला कि युवक की आंतें हर्निया में बुरी तरह फंस चुकी हैं, जिससे वहां खून का प्रवाह पूरी तरह बंद हो गया था। रक्तसंचार रुकने के कारण पेट के उस हिस्से में गैंग्रीन बन चुका था, जो जानलेवा साबित हो सकता था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए एसआर हॉस्पिटल एंड कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी ने आधी रात को ही मोर्चा संभाला। उन्होंने तुरंत डॉक्टरों की पूरी टीम को एक्टिव किया और सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचने के निर्देश दिए। गैंग्रीन को काटकर अलग किया। डॉक्टरों की टीम में सर्जन डॉ. नीरज भुसखरे, डॉ. अश्विनी शुक्ला, डॉ. अपूर्वा अग्रवाल और मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. रंजन सेन गुप्ता शामिल थे।

पहले ही प्रयास में एफएमजीई उत्तीर्ण कर आदित्य ने बढ़ाया पाटन का गौरव

पाटन। नगर साहू समाज पाटन के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू के सुपुत्र आदित्य राज साहू ने प्रथम प्रयास में विदेश में चिकित्सा पाठ्यक्रम स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) उत्तीर्ण कर अपने परिवार, समाज और पूरे पाटन क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। आदित्य राज साहू की इस उल्लेखनीय सफलता पर समाज के वरिष्ठजनों, शुभचिंतकों एवं नगरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

उल्लेखनीय है कि फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (एफएमजीई) उन भारतीय नागरिकों और भारत के विदेशी नागरिकों (ओसीआई) के लिए एक जरूरी लाइसेंस स्क्रीनिंग टेस्ट है, जिनके पास भारत के बाहर किसी यूनिवर्सिटी से प्राइमरी मेडिकल डिग्री है और जो देश में मेडिकल प्रैक्टिस करना चाहते हैं। उनकी सफलता पर पूर्व महासचिव खेमलाल साहू परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी, पूर्व अध्यक्ष हरिशंकर साहू,कौशल बनपेला, कमलेश्वरी साहू, उषा साहू, संतोष साहू, अर्जुन साहू, गोपेश साहू, लालजी साहू,शशिभूषण साहू, सालिक साहू, रवि साहू, खेमीन साहू, रिंकी साहू, ललिता साहू,तनुजा साहू, सरिता साहू और बलराम साहू ने हर्ष जताया है।

अंचल की खबरें

ग्रामीणों ने बांटे शिक्षण किट, किया पौधरोपण

उतई। डुंडेरा के ग्रामीणों ने कक्षा पहली 5 वीं तक के बच्चों को शिक्षण किट बांटे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व केबिनेट मंत्री ताम्रध्वज साहू ने इस मौके अपने कार्यकाल स्वीकृत कराए गए अतिरिक्त शाला भवन का लोकार्पण भी किया साथ ही शाला परिसर में पौधे रोपित किए गए उन्होंने ग्रामीणों द्वारा शिक्षण किट वितरण की सराहना की। संयोजक पवन बंजारे ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से इस ग्राम में पहली बार सरकारी स्कूल में एडमिशन लेने वालों बच्चों के लिये बैग, कॉपी, पानी बोतल सहित पेन पेन्सिल क्री निशुल्क व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वरी दिवाकर गायकवाड़ ने की। विशेष अतिथि सतीश यादव, दाऊ चंद्रशेखर चंद्राकर, पार्षद रोहित धनकर, सिविल ठेकेदार चेतन साहू वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक साहू, खुमान सिंह यादव, अध्यक्ष साहू समाज संजय साहू, विजय साहू, पंडित भीखम शर्मा, उमाशंकर साहू, धनेश्वर साहू, मनोज बंजारे, राकेश विश्वकर्मा आदि ने शाला परिसर में अमिताभ बच्चन के हाथो पुरस्कृत पर्यावरण कार्यकर्ता रोमशंकर यादव के मार्गदर्शन में अमरुद, इमली, सीताफल आदि के पौधे रोपित किए साथ ही बच्चों को शिक्षण किट का वितरण किया।

पीएम सेजस में धूमधाम से मनाया प्रवेश उत्सव

कुम्हारी। पीएम सेजस कुम्हारी में शाला प्रवेश उत्सव के दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर यूकेजी, कक्षा पहली, कक्षा छठवीं एवं कक्षा नवमी (हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम) के विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, चॉकलेट खिलाकर एवं पुष्पों से आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही इन्हें निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें भी दी गईं। विद्यालय परिसर में अतिथियों ने वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद कुम्हारी की अध्यक्ष मीना वर्मा, उपाध्यक्ष प्रमोद राजपूत, प्राचार्य विजया वास्तव, पार्षद अश्वनी देशलहरे, पार्षद उमेश्वरी साहू, एल्डरमैन गोल्डी गोस्वामी, अवधेश शुक्ला, प्रणव वास्तव, सुनीता कुर्रे, जूली सिंह, शाला विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आलोक दुबे, सांसद प्रतिनिधि सुजीत यादव, शाला विकास प्रबंधन समिति के सदस्य दीपक सिंह, राजेश सिन्हा एवं नीतू पाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

टार बांध का पानी भरा खेत, नाली निर्माण की मांग

सेलूद। ग्राम पंचायत परसाही के टार बांध में ओवरफ्लो नाली (निकासी) का निर्माण नहीं होने के कारण खेतों में जलभराव की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। बांध से निकलने वाले अतिरिक्त पानी की वजह से स्थानीय किसान बंशीलाल साहू के खेत और फसलों में अत्यधिक पानी भर गया है, जिससे फसल खराब होने का खतरा मंडरा रहा है। इस समस्या को लेकर किसान बंशीलाल साहू ने शासन-प्रशासन से गुहार लगाई है। उन्होंने निवेदन किया है कि किसानों के नुकसान को रोकने के लिए टार बांध में तुरंत ओवरफ्लो नाली का निर्माण कराया जाए ताकि पानी की सही निकासी हो सके और फसलों को बचाया जा सके।

भाजपाईयों ने याद किया मुखर्जी को

जामुल। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रशांत बंटी गुप्ता के नेतृत्व में शक्तिकेन्द्र दुर्गा मंदिर.वार्ड में जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जयंती 6 जुलाई सोमवार को मनाई गई। इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से जिला उपाध्यक्ष और संघठन मंडल प्रभारी पूनम शुक्ला, सहप्रभारी भारती साहू, जनप्रिय प्रदेश नेता रेखराम बंछोर, भाजपा भिलाई जिला सह कोषाध्यक्ष हेमंत देवांगन, मंडल महामंत्री द्वय ओमप्रकाश साहू, ध्रुव देवांगन, आर्थिक प्रकोष्ठ से दीपक सिंह, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ से राजेन्द्र चौहान, वरिष्ठ कार्यकर्ता नूतन वर्मा, पूर्व पार्षद मेघनाथ साहू, जगदीश देवांगन, बजरंग सिन्हा, यशवंत राजपूत, नटवर वर्मा आदि उपस्थित रहे।

मेधावी छात्रा का किया सम्मान

धमधा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने धमधा स्थित राइज एन शाइन स्कूल में कक्षा 10वीं की परीक्षा में 76% अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने वाली मेधावी छात्रा नित्या वर्मा का सम्मान किया। नित्या वर्मा ग्राम जातागर्रा निवासी प्रदीप वर्मा की सुपुत्री एवं क्षेत्र के वरिष्ठ अधिवक्ता देवीलाल वर्मा की नातिन हैं। इस अवसर पर किसान नेता बाबा टेक सिंह चंदेल, धरमपाल वर्मा एवं तुलसी वर्मा सहित समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने नित्या वर्मा को बधाई दी।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नीता चौरसिया को वरिष्ठ सहसंयोजक की मिली जिम्मेदारी

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के सहमति और भाजपा जिला शिक्षा प्रकोष्ठ के संयोजक विनोद उपाध्याय द्वारा भिलाई जिला शिक्षा प्रकोष्ठ की घोषणा की गई। इसमें नीता चौरसिया को भाजपा

शिक्षा प्रकोष्ठ भिलाई जिले का वरिष्ठ सहसंयोजक का दायित्व सौंपा गया है। नीता चौरसिया सबसे वरिष्ठ भाजपा नेत्री हैं जिन्होंने शिक्षा खेल सामाजिक संगठन और महिला बाल विकास विभाग जैसे क्षेत्र में अहम भूमिका निभाते हुए सक्रिय कार्य कर रही है। सूची नेता चौरसिया लगभग 12 वर्ष तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में भारत स्काउट गाइड की जिला संगठन आयुक्त रह चुकी है।

पावर हाउस फ्लाई ओवर का मेंटेनेंस शुरू जगह-जगह हैं गड्ढे

भिलाई। नंदिनी रोड से पॉवर हाउस होकर टाउनशिप को जोड़ने वाले फ्लाईओवर में मेंटेनेंस का काम शुरू कर दिया है। इस मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे हैं। इसकी वजह से लोगों को आवाजाही में खासी परेशानी उठानी पड़ रही थी। हरिभूमि ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया, इसके बाद लोक निर्माण विभाग सेतु निगम हरकत में आया। इसके बाद मेंटेनेंस शुरू किया गया है।

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा में बड़ी उपलब्धि

सेल ने किया पीटी काकाटाऊ स्टील के साथ एमओयू करने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

इंडोनेशिया में स्टील स्टेनलेस स्टील स्लैब का होगा निर्माण

प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब निर्माण के लिए संयुक्त उद्यम (ज्वाइंट वेंचर) की संभावना तलाशने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशियाई इस्पात निर्माता पीटी क्राकाटाऊ स्टील (पीटी करकटू स्टील) ने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। सेल ने इंडोनेशिया में स्टेनलेस स्टील स्लैब के उत्पादन के लिए एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने की संभावना तलाशने के लिए पीटी क्राकाटाउ स्टील (परसेरो) टीबीके., इंडोनेशिया (पीटू करकाटू स्टील (परसेलो) टीबीके, इंडोनेशिया) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की है। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया दुनिया

के सबसे समृद्ध निकल (निकल) भंडारों में से एक तक पहुंच प्रदान करता है - जो स्टेनलेस स्टील के लिए एक आवश्यक कच्चा माल है । वहीं सेल के पास इस्पात उत्पादन, परियोजना निष्पादन और बड़े एकीकृत इस्पात संयंत्रों के संचालन का वर्षों का अनुभव है। प्रस्तावित संयुक्त उद्यम से इंडोनेशिया के खनिज संसाधनों के वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारत और एशियन क्षेत्र में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

निर्माण में प्रतिबद्धता : सेल चेयरमेन

सेल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. अशोक कुमार पंडा ने कहा कियह साझेदारी भविष्य के लिए क्षमताएं निर्माण करने के प्रति सेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पीटी क्राकाटाऊ स्टील के साथ यह सहयोग भारत और इंडोनेशिया के बीच आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के साथ-साथ दोनों कंपनियों के लिए दीर्घकालिक मूल्य (लॉन्ग-टर्म वैल्यू) बनाने की क्षमता रखता है।

सामाजिक सुरक्षा कमजोर करने पर सीटू करेगी देशव्यापी विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

सीटू यूनियन ने केंद्र सरकार के मजदूरों की सामाजिक सुरक्षा कमजोर करने पर देशव्यापी विरोध की चेतावनी दी है। यूनियन के मुताबिक 8.25 प्रतिशत ब्याज दर बनाए रखना कर्मचारियों का अधिकार है, कोई विशेष उपहार नहीं। सरकार इस घोषणा को बड़ी उपलब्धि बताकर उन नीतिगत बदलावों से ध्यान

- कहा आगे कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन व सामाजिक सुरक्षा कम न करे सरकार

हटाना चाहती है, जो भविष्य में कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं। वास्तविक चिंता ब्याज दर नहीं, बल्कि ईपीएफ की संरचना में किए जा रहे बदलाव हैं। यूनियन के मुताबिक कि ईपीएफ योजना-2026, ईपीएस-2026 और ईडीएलआई-2026 को सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अनुरूप लागू करने की तैयारी कर्मचारियों को परेशानी होगी। भविष्य में सरकार नियमों में संशोधन कर नियोक्ताओं की जिम्मेदारी कम कर सकती है। कर्मचारियों के अधिकार सीमित किए जा सकते हैं तथा सामाजिक सुरक्षा को चरणबद्ध तरीके से कमजोर किया जा सकता है। श्रमिकों के दशकों के संघर्ष से प्राप्त अधिकारों को किसी भी स्थिति में कमजोर नहीं होने दिया जाएगा।सरकार ने छूट प्राप्त प्रतिष्ठानों के लिए एमनेस्टी योजना लाकर ब्याज, हर्जाना और दंड में राहत देने का निर्णय लिया है। स इमानदार संस्थानों और कर्मचारियों के साथ अन्याय मानता है। यदि किसी प्रतिष्ठान ने वर्षों तक कानून का पालन नहीं किया, तो उसे दंडित करने के बजाय माफी देना गलत संदेश देता है। इससे भविष्य में नियमों का उल्लंघन बढ़ेगा और कर्मचारियों के वैधानिक अधिकार खतरे में पड़ेंगे।

निवेश आधारित व्यवस्था है जोखिम

ईपीएफ और अन्य बाजार आधारित निवेशों पर बढ़ती निर्भरता भविष्य निधि जैसी सुरक्षित सामाजिक सुरक्षा योजना की मूल भावना के विपरीत है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का जोखिम अंततः कर्मचारियों की मेहनत की कमाई पर पड़ेगा। सीटू का मानना है कि कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति निधि को बाजार के जोखिमों के हवाले नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को सुरक्षित और गारंटीकृत प्रतिफल सुनिश्चित करना चाहिए।

छोटे खातों का स्वतः निपटान गुमराह करना

1,000 रुपये तक के निष्क्रिय खातों का स्वतः भुगतान स्वागतयोग्य प्रशासनिक कदम हो सकता है, लेकिन इससे लाखों लंबित दावों, पेंशन संबंधी विवादों, उच्च वेतन पर पेंशन के मामलों तथा कर्मचारियों की अन्य समस्याओं का समाधान नहीं होता। सरकार को प्रचारात्मक घोषणाओं के बजाय पूरी सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। यूनियन ने चेताया कि यदि वर्तमान दिशा में नीतियां लागू होती रहीं तो भविष्य में अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा कमजोर होगी, पेंशन लाभ सीमित हो सकते हैं, नियोक्ताओं की जिम्मेदारी कम हो सकती है।

सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी जिला भिलाई के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के जन्मदिन पर सेक्टर-9 स्थित हनुमान मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। संगठन के सभी 13 मंडलों के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों और सदस्यों ने उन्हें सम्मानित किया। महिला मोर्चा ने 5 प्रकार के फलों से तौला। सेक्टर-3 स्थित फील परमार्थ फाउंडेशन पहुंचकर निराश्रित और वृद्धजनों को भोजन वितरित किया। कोसा नगर गोठान में पहुंचकर गौवंश को घास और गुड़ खिलाकर सेवा कार्य किया। सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय, प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला भिलाई संगठन प्रभारी रामजी भारती, विधायक डोमन लाल कोसेवाड़ा, खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडेय, सिन्धी साहित्य अकादमी की अध्यक्षा सुषमा जेठानी, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे, पूर्व कैबिनेट मंत्री जागेश्वर साहू और रमशीला साहू, दुर्ग महापौर अलका बाघमार, नगर पालिका परिषद् जामुल अध्यक्ष ईश्वर ठाकुर, नगर पालिका परिषद् अहिवारा अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, दुर्ग जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, धमधा जनपद अध्यक्ष लीमन साहू, नगर निगम भिलाई नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, उपनेता प्रतिपक्ष दया सिंह आदि ने उन्हें बधाई दी। इस दौरान जिला मंत्री विनोद सिंह, पारस जघेल, मदन सेन, सचिन ताम्रकार, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सौरभ जायसवाल व उनकी टीम सहित अनेक पदाधिकारी उनके साथ मौजूद रहे।

से.5 में क्वार्टर के छज्जे का प्लास्टर गिरा, बाल-बाल बचा परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

बरसात के मौसम के शुरु होते ही टाउनशिप जर्जर क्वार्टरों में छज्जे टुकड़े गिरने का सिलसिला शुरु होने से दुर्घटना का अंदेशा बढ़ गया है। है। बीति रात सेक्टर-5, सड़क-10 स्थित क्वार्टर के बेडरूम की छत का प्लास्टर अचानक भरभराकर जमीन पर गिर पड़ा। घर के वाशिंदे बाल बाल बच गए। मंगलवार रात सेक्टर 5 बीएसपी के यूनिवर्सल रेल मिल के प्लानिंग विभाग में कार्यरत कर्मी श्रीकांत का परिवार उस समय ठीक उसी स्थान पर नहीं था, अन्यथा एक बड़ा हादसा हो सकता था। परिवार में 11 माह का बच्चा है। चिकित्सकीय सलाह के कारण वे पलंग के बजाय जमीन पर सोते थे, लेकिन उस रात बाजार से देर से लौटने के कारण अभी सोए नहीं थे। जिस स्थान पर परिवार रोज सोता था, वहीं भारी प्लास्टर गिरा। दोनों कमरों में 15 किलो वजनी पंखे जर्जर छत से लटके हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही सीटू यूनियन के लोगों ने मौके पर पहुंच जर्जर आवास का निरीक्षण किया। देखा कि टार फेल्टिंग और मरम्मत कार्य नहीं हुआ है। जबकि प्रबंधन द्वारा टार फेल्टिंग कराए जाने का दावा किया जाता है।इससे पहले भी इसी भवन के छज्जे गिर चुके हैं, लेकिन स्थायी मरम्मत नहीं की गई। बारिश के मौसम में ऐसे जर्जर आवास हजारों परिवारों के लिए खतरा बने हुए हैं। दो दिन पूर्व भी सेक्टर 6 में एक आवास के छज्जे का प्लास्टर गिरा था।

सब्जेक्ट टू वेकेशन में था अलाट

सीटू यूनियन ने बताया कि जिस आवास में घटना हुई उसके रहवासी बीएसपी कर्मी को यह आवास "सब्जेक्ट टू वेकेशन" नीति के तहत आवंटित किया गया था। लेकिन सब्जेक्ट टू वेकेशन के तहत आवंटित होने आवासों में प्रबंधन ना तो मरम्मत कराता है और ना ही आवश्यक रखरखाव करता है। दूसरी ओर, सेवानिवृत्ति के कारण प्रत्येक माह बड़ी संख्या में बेहतर क्वार्टर खाली हो रहे हैं, फिर भी कर्मचारियों को सुरक्षित और रहने योग्य आवास उपलब्ध कराने की कोई प्रभावी योजना दिखाई नहीं देती। घटना के बाद भयभीत परिवार ने उचित माध्यम से महाप्रबंधक (आवास) को दूसरे आवास के लिए आवेदन सीटू ने मांग की है कि टाउनशिप में तत्काल हेल्प डेस्क स्थापित किया जाए, जर्जर भवनों का स्वतंत्र तकनीकी सर्वे कराया जाए, सभी खतरनाक आवासों की सूची सार्वजनिक की जाए तथा खाली हो रहे बेहतर क्वार्टरों का पारदर्शी तरीके से प्राथमिकता के आधार पर कर्मचारियों को आवंटन किया जाए।

कोटा स्टडी सर्किल ब्रांच भिलाई तथा रायपुर में ड्रापर नीट, जेईई एवं पी.ई.टी. के अंतिम बैचेस में प्रवेश प्रारंभ

IIT-JEE Mains/ Advance Star Performers

NEET Star Performers

कोटा स्टडी सर्किल भारत सरकार के द्वारा रजिस्टर्ड एवं आइसो सर्टिफाइड तथा राजस्थान से संबंधित एक उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान है। जहां विगत 17 वर्षों से नीट तथा जी ई ई के परीक्षाओं की तैयारी कोटा ट्रेंड एवं एवं बहुत ही अनुभवी टीम द्वारा फिजिक्स केमिस्ट्री बायोलॉजी एवं मैथ्स विषय की तैयारी गहनता से कराई जाती है। परिणाम स्वरूप यहां के छात्र अपनी अलग पहचान बनाते हैं । चाहे वह बोर्ड परीक्षाएं हो अथवा नीट एवं जीईई , कोटा स्टडी सर्किल ने विगत 17 वर्षों में राष्ट्र को होनहार डॉक्टर एवं इंजीनियर दिए हैं जो देश-विदेश में अपनी सेवाएं देकर अपने गुरुजन माता-पिता तथा संस्थान का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों ही माध्यम के छात्रों के लिए समान सुविधा उपलब्ध होती हैं। यहां का स्टडी मेटरियल तथा ऑल इंडिया टेस्ट सीरीज इतना अच्छा होता है कि 100% परसेंट क्वेश्चंस आने की संभावना होती है। क्योंकि इस तरह डिजाइन किया जाता है कि अगर क्वेश्चन पेपर बनाने वाला एग्जामिनर किसी भी तरह एंगल से क्वेश्चन पूछे तो वह बन जाए, यहां समय-समय पर आत्मआकलन करने के लिए नीट तथा जीईई बेस्ड मॉक टेस्ट कराए जाते हैं। जिसका छात्रों को फायदा होता है तथा ऐसे छात्र एवं छात्राएं जो कि घर अथवा हॉस्टल में पढ़ाई का माहौल न होने के कारण डिस्टर्ब रहते हैं उनके लिए कोटा स्टडीज सर्कल में एक बेहतरीन लाइब्रेरी उनके पढ़ने के लिए व्यवस्थित की गई है। तथा डीपी पी की प्रैक्टिस कक्षा में ही कर दी जाती है।

जिससे कि वह आने वाले क्वेश्चंस के लिए पहले से तैयार रहते हैं। एवं समय रहते खुद को प्रिपेयर कर पाते हैं। कोटा स्टडी सर्किल की विशेषता है कि यहां क्लास में क्लास के साथ-साथ ही डीपीपी के थ्रू छात्रों को आने वाली परीक्षाओं की पहले से तैयारी कराई जाती है। कोटा स्टडी सर्किल में बाहर से आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए गर्ल्स तथा बॉयज के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल तथा रहने के साथ-साथ मैस की सुविधा का भी ध्यान रखा जाता है। यहां फीस भी बहुत ही उचित ली जाती है जिससे कि पेरेंट्स के ऊपर कोई अतिरिक्त वर्णन ना आए।

यहां पर आपको माहौल देखने को मिलेगा की आपका बच्चा भिलाई अथवा रायपुर पढ़कर ही राजस्थान कोटा अथवा दिल्ली में स्थित सारी सुविधाओं को छत्तीसगढ़ के भिलाई तथा रायपुर में रहकर प्राप्त कर रहा है।

कोटा स्टडी सर्किल में ड्रॉपर बैजेस 12 तथा 15 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहे हैं। जहां प्रत्येक बैच में लिमिटेड सीट रखी गई है।

पलक रायपुर में आरसी कॉलेज के सामने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के बाजू में कोटा स्टडी सर्किल तथा भिलाई में न्यू सिविक सेंटर कोटा स्टडी सर्किल में आकर संपर्क कर सकते हैं।

TM Registration No. 3091296
ISO CERTIFIED 9001 : 2008 CERTIFIED INSTITUTE
KOTA STUDY CIRCLE®
Where we shape the career

नीट तथा JEE के पृथक-पृथक बैच, हिन्दी तथा अंग्रेजी के पृथक-पृथक बैच
कोटा स्टडी मटेरियल ऑल इण्डिया टेस्ट सीरिज गर्ल्स तथा ब्वायस के पृथक-पृथक बैच

X & XII Result

कोटा रायपुर ब्रांच : R.K.C. कालेज के सामने, जी.ई.रोड रायपुर
कोटा भिलाई ब्रांच : बि. नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
Contact : 90985 34927, 79877 91795

अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रशिक्षण द्वारा 10वीं, 12वीं एवं स्नातक छात्राओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर

संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत एफएसडीएमआई भिलाई मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंध पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्धत् कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी आफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (डीआरडीओ), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है।

संस्था एफएसडीएमआई भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकलो प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएना प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (एससी, एसटी, ओबीसी, जनरल) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी।

रोजगार हेतु व्यवसायिक प्रशिक्षण कम शुल्क में संपूर्ण तकनीकी शिक्षा

एस. एम. उमक

बेरोजगारों के उज्जवल भविष्य के लिए अल्प समय में रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु पावर हाउस भिलाई में स्थित 39 वर्ष पुरानी इंदु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट एक अति विश्वसनीय संस्था है। जो आईएसओ 9001-2015 से प्रमाणित है। जहां प्रेक्टिकल आधारित कोर्स कराये जाते हैं। अतः प्रशिक्षण के बाद प्रेक्टिस करने की आवश्यकता नहीं होती है जिनका लाभ लेते हुए प्रतिवर्ष सैकड़ों बेरोजगार अपने पैरों पर खड़े होकर समाज और परिवार में सम्मान हासिल कर रहे हैं। संस्था छात्र-छात्राओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित करती है साथ ही इनकी नौकरी हेतु भी प्रयास करती है। संस्था में समय-समय पर तकनीकी कंपनियां तथा प्लेसमेंट एजेंसी जॉब हेतु संपर्क स्थापित करती है। इस तरह छात्रों को नौकरी भी प्राप्त हो जाती है संस्था में मोबाईल हार्डवेयर/ सॉफ्टवेयर, कम्प्यूटर हार्डवेयर, इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रीकल, फ्रिज-एसी, इन सभी विषयों का प्रेक्टिकल आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। इंदु टेक्निकल इंस्टीट्यूट एकमात्र संस्था है जो तकनीकी प्रशिक्षण में कम्प्यूटर के आधुनिक एनीमेशन का उपयोग करती है इससे कोर्स सरलता से छात्र-छात्राओं की समझ में आ जाते हैं चूंकि सभी कोर्स प्रेक्टिकल आधारित है तथा प्रत्येक छात्र-छात्राओं को व्यक्तिगत प्रेक्टिकल दिया जाता है अत : शैक्षणिक योग्यता का कोई मापदंड नहीं है किसी भी स्तर के छात्र-छात्राएं इन कोर्सेस को सरलता से पूर्ण कर सकते है। यदि छात्र-छात्राएं निश्चित अवधि में कोर्स पूर्ण नहीं कर पाते है और उन्हें अतिरिक्त समय भी लगता है तो अतिरिक्त समय हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता अर्थात छात्र जब तक संतुष्ट नहीं हो जाता तब तक बिना अतिरिक्त शुल्क लिए कोर्स कराया जाता है। इसके अतिरिक्त भविष्य में छात्र-छात्राओं को कोर्स से संबंधित समस्या आने पर वह नि:शुल्क परामर्श ले सकते है। संस्था द्वारा कोर्स के पश्चात भी तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाता है सभी कोर्स सरल हिन्दी में कराए जाते हैं प्रशिक्षण अवधि में छात्रों को प्रेक्टिकल हेतु संपूर्ण सामग्री टूल्स एवं मटेरियल संस्था द्वारा दिया जाता है जिससे पालक पर ट्यूशन फीस के अतिरिक्त कोई बोझ नहीं होता। फीस के बारे में कहा जा सकता है कि जेब खर्च के बराबर फीस अर्थात् अत्यंत कम शुल्क में ये कोर्स कराये जाते हैं। संस्था में प्रेक्टिकल से भरपूर प्रशिक्षण का लाभ लेने के लिए यहां संपूर्ण छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त बिहार, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्रप्रदेश, हिमांचल प्रदेश, उड़ीसा आदि के साथ-साथ नेपाल से भी छात्र आते हैं। बाहरी छात्रों हेतु संस्था का छात्रावास है संस्था पावर हाउस बस स्टैंड एवं पावर हाउस रेलवे स्टेशन से अत्यधिक नजदीक होने से रायपुर, तिल्दा नेवरा, भाटापारा, दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, दल्ली राजहरा रेल लाईन तक के प्रशिक्षणार्थी अप-डाउन कर कोर्स करते हैं। संस्था अपने सभी तकनीकी कोर्स पार्ट-टाईम अथवा फुलटाईम में संचालित करती है। जिससे नौकरी करने वाले शिफ्ट के अनुसार समय परिवर्तित कर प्रशिक्षण ले सकते है। प्रतिदिन 1.30 घंटे का समय देकर भी कोर्स किए जा सकते हैं। इस सेंट्रली एयर कुल्ड संस्था में प्रत्येक लैब में लगे कैमरों से संचालक द्वारा आडियो-विडियो मॉनिटरिंग की जाती है। इस तरह संस्था सभी दृष्टि से छात्र-छात्राओं के भविष्य निर्माण हेतु दृढ़ संकल्पित एवं प्रयासरत है। जिसका लाभ उठाते हुए छात्र-छात्राएं कम फीस में भरपूर प्रेक्टिकल का लाभ लेते हुए आत्मनिर्भर हो सकते है एवं सबसे बड़ी बेरोजगारी की समस्या से निजात पा सकते है। नोटः महिलाओं हेतु विशेष व्यवस्था। संस्था में आने हेतु भिलाई पावर हाऊस के बस स्टैंड या पावर हाऊस स्टेशन पर उतरना होगा। संस्था की संपूर्ण जानकारी हेतु फोन करें।

समय का सदुपयोग-आय का साधन-प्रशिक्षण जो रोजगार दिलाए

मोबाईल सर्विसिंग कोर्स
कोर्स में हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर में इलेक्ट्रानिक्स कम्पोनेंट, कम्प्युटर ऑपरेटिंग, एंटी वायरस, सॉफ्टवेयर इंस्टॉलेशन, टच स्क्रिन व एन्ड्राइड मोबाईल, अनलॉकिंग, फ्लेशिंग, कार्ड राइटिंग, ब्लू-टूथ मोबाईल ओपनिंग-फिटिंग, सोल्डरिंग-डिसोल्डरिंग, बॉल आई.सी., प्लाटिंग एवं फॉल्ट फाईडिंग करवाई जायेगी।

कम्प्यूटर हार्डवेयर
महानगरी स्तर की शिक्षा कम शुल्क में
कोर्स में लेपटॉप, डेस्क टॉप प्रिंटर, मॉनीटर, स्कैनर, SMPS पावर सप्लाई रिपेयरिंग, बेसिक इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर असेम्बिलिंग एवं ट्रबलशूटिंग भी। भरपूर प्रेक्टिकल कम्प्यूटर से एनीमेशन द्वारा विशेष जानकारी।

इलेक्ट्रिकल कोर्स
वायरिंग, मोटर रिवाइंडिंग (1/2 से 27 एच.पी. तक) एवं घरेलू उपकरण वाशिंग मशीन मिक्सी, गिजर, कूलर, पंखे, लाईट, डेकोरेशन, जेट पंप, मोनो ब्लॉक पंपसेट, सबमर्सिबल पंप, ट्यूल्यु पंप, मोटर स्टार्टर, पेनल बोर्ड, वेल्डिंग ट्रांसफार्मर आदि का गारंटेड प्रशिक्षण।

इलेक्ट्रानिक्स कोर्स
एफ.एम. रेडियो, इंडक्शन चुल्हा, एलईडी, एलसीडी एवं सीआरटी टीवी पर प्रेक्टिकल आडियो, विडियो एमपी-3 सीडी प्लेयर, डीवीडी, होम थियेटर, डी.टी.एच., सिस्टम, इन्वर्टर का गारंटेड प्रशिक्षण।

फ्रीज व एसी कोर्स
फ्रिज (फ्रास्ट फ्री एवं नान फ्रास्ट), विंडो एसी, स्प्लीट एसी, ऑटो मोबाइल (कार) एसी, पैकेज (डक्टिंग) एसी, डीप फ्रीजर, विल्ड वाटर सिस्टम, बॉटल कूलर, भिलाई के शौकेस का पूर्ण प्रेक्टिकल, गैस चार्जिंग सामान्य एवं आधुनिक गैस चार्जिंग स्टेशन दोनों पद्धतियों से।

छात्रावास सुविधा | स्थापना वर्ष 1987 | रविवार अवकाश

इन्दु टेक्नीकल इंस्टीट्यूट
टी-मार्केट, पावर हाउस, भिलाई मो. : 98271-94279, 74156-74157

(NGO सामाजिक संस्थाएं यदि युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना चाहतें है तो संस्था उन्हें विशेष छूट और सहयोग प्रदान करती है।)

हमारी संस्था की कोई अन्य शाखा नहीं है।
www.indutechnical.com
मो. : 98271 94279
8770222654 74156 74157
पर संपर्क किया जा सकता है।

हरिभूमि

रायपुर, गुरुवार 9 जुलाई 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

02

जुड़वास में नीम पत्ती से कराया माता ...

लाइव इवेंट

पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में दुर्ग के अमान के मिला पहला स्वर्ण

भिलाई। एशियन, पैसिफिक एवं अफ्रीकन पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप के पांचवें दिन छत्तीसगढ़ के दो खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि के साथ अब तक छत्तीसगढ़ के 3 खिलाड़ी भारत के लिए गोल्ड जीत चुके हैं। इस दौरान 93 किलोग्राम ओपन वर्ग में प्रियंक मिश्रा बिलासपुर ने और 120 किलोग्राम जूनियर वर्ग में अमान शुक्ला भिलाई ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। खास बात यह है कि दोनों की यह पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता थी। अपने पहले ही अभियान में गोल्ड जीतकर उन्होंने इतिहास रच दिया। अमान शुक्ला भिलाई इस्पात संयंत्र के नॉन-वार्ड खिलाड़ी हैं। प्रतियोगिता के पहले ही दिन 66 किलोग्राम सीनियर वर्ग में जयदीप साहू ने भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता था। इस तरह छत्तीसगढ़ के 3 खिलाड़ियों ने विश्व मंच पर प्रदेश की खेल प्रतिभा का परचम लहराया। भारतीय टीम के कोच और भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिक कृष्णा साहू के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह सफलता हासिल की। कोच कृष्णा साहू ने बताया कि 8 जुलाई से क्लासिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप शुरू हुई है। इसमें जयदीप साहू 66 किलोग्राम वर्ग में फिर भारत का प्रतिनिधित्व किया। छत्तीसगढ़ पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश जैन बरमेचा ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब सिर्फ धान का कटोरा नहीं, स्वर्ण पदक विजेताओं की धरती बन रहा है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा राकेश पांडे के निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन को भी दिया। संघ ने अमान, प्रियंक और जयदीप को बधाई देते हुए टीम के आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं।

लाइव इवेंट

इकरा का प्रतिभा सम्मान समारोह 12 को प्रतिभावान बच्चें होंगे सम्मानित

भिलाई। इकरा टीचर्स एसोसिएशन की ओर से प्रतिभावान बच्चों का सम्मान समारोह 12 जुलाई रविवार को सुबह 10 बजे से फलकनुमा मस्जिद के पास जुनवानी रोड में आयोजित किया गया है। इस मौके पर मुख्य अतिथि अरामको सऊदी अरब के पूर्व निदेशक हाजी शम्सुद्दीन होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर मजहर अनीस जीएम बीएसपी, शमी अख्तर फारूकी एजीएम बीएसपी, एजाजुद्दीन आरएंडडी रूंगटा कॉलेज आर-1, मोहम्मद साजिद अंसारी एडमि. डायरेक्टर रूंगटा कॉलेज आर-2, फ़ैय्याजुद्दीन, हाजी हमीदुल्ला सिद्दीकी सदर, बैतुलमाल कमेटी भिलाई, जिल्लुर रहमान-सदर, दारुल क़ज़ा, नसीम खान रिटायर्ड एमपीईबी.डीई होंगे।

पूरा आयोजन डॉ. आर. ए. सिद्दीकी नेत्र विशेषज्ञ एक्स डायरेक्टर हेल्थ सर्विसेज म.प्र. और क्यू. ए. खान रिटायर्ड अपर कलेक्टर दुर्ग की उपस्थिति में होगा। आयोजन की सदारत समीना फारुक़ी डायरेक्टर स्काई लाईन एसोसिएट और फखरुद्दीन फारूक़ी आर्किटेक्ट करेंगे। निजामत रौनक जमाल करेंगे। एसोसिएशन की ओर से अजमत उल्लाह खान ने बताया कि आयोजन की तैयारी जारी है। जिसमें न सिर्फ स्कूली शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया जाएगा वहीं उन नौजवानों को भी आयोजन में आमंत्रित किया गया है, जिन्होंने इकरा टीचर्स एसोसिएशन की मदद से अपनी शिक्षा पूरी की और करियर को संवारा। आयोजन की तैयारियों में यासमीन नाज, शकील अहमद खान, शेख जाफर, सैयद जफर, शायना परवीन, गौसुलवरा खान, अजमेर खान, शहनाज खान, शाहीन खान, इश्तियाक अंसारी, अंजुम, गुल निशा आलिमा, नसीम, निकहत परवेज, सायरा बानो, शाहीन जहां कुरैशी, निशा कुरैशी, नुसरत फातिमा, नुसरत खान, कहकशां अहमद, फ़िजा हुसैन, शबाना हुसैन,अक्सा अली, निशा , कमाल बाबा और खुर्शीदा सहित सभी लोग जुटे हैं।

● वैद्य के परामर्श पर महाप्रभु जगन्नाथ का चल रहा आयुर्वेदिक उपचार, गले की सेकाई करने गर्म पानी भी दे रहे सेवक

वर्तमान में महाप्रभु जगन्नाथ का आसन रिक्त, मंदिर में राधा कृष्ण और शालिग्राम के हो रहे दर्शन, दे रहे काढ़ा और दशमूल औषधियों का भोग

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर देव स्नान के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा अस्वस्थ हुए। इसके बाद 15 दिनों तक एकांतवास के लिए चले गए हैं। जिससे अब भक्तों को दर्शन लाभ भी नहीं मिल रहा है। वैद्य द्वारा नाड़ी परीक्षण के बाद औषधि अर्पित करने की सलाह मंदिर के पुजारियों को दी गई। वर्तमान में सभी महाप्रभु जगन्नाथ मंदिरों में बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा और जगन्नाथ स्वामी का आसन रिक्त है। इन 14 दिनों में भक्त इस मंदिर में आकर राधा-कृष्ण और शालिग्राम के दर्शन कर भाव-विभोर होकर भगवान के स्वस्थ होने की प्रार्थना कर रहे हैं।

भिलाई। सेक्टर 4, सेक्टर 6, कोसानगर और दुर्ग सहित सभी जगन्नाथ मंदिरों में अभिजित मुहूर्त में सुबह साढ़े सात बजे श्री जगन्नाथ प्रभु के अब ठीक होने के लिए आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों का काढ़ा और फलों का औषधीय भोग पुजारी लगा रहे हैं। इस परंपरा का निर्वहन 14 जुलाई तक किया जाएगा। ट्विनसिटी के सभी जगन्नाथ मंदिर में इस साल भी अनवसर काल और औषधीय भोग का मुख्य विधान शुरू किया गया है। इसका पालन आगामी 14 जुलाई तक किया जाएगा। इसके बाद 15 को भक्तों नयन दर्शन प्राप्त होगा।

प्रसाद रूप में ग्रहण करने से होती है रोगों से रक्षा

लगभग आधा दशक पुराने सेक्टर 4 जगन्नाथ मंदिर के पुजारी ने बताया महाप्रभु के अस्वस्थ होने के साथ ही शरीर के दर्द से राहत के लिए विशेष औषधीय तेल से मालिश की परंपरा है। ऐसी मान्यता है कि इस दौरान भगवान को अर्पित किए गए औषधीय काढ़ा प्रसाद रूप में पीने से भक्तों की भी रोगों से रक्षा होती है। 15 दिनों उपचार के बाद भगवान पूर्ण रूप से स्वस्थ होकर रथयात्रा के लिए भक्तों को दर्शन देने के लिए निकलते हैं। इस दिन को महोत्सव के रूप में मनाने की तैयारी भी सभी श्री जगन्नाथ मंदिरों में शुरू की गई है। इस बीच भक्तों को भगवान का दर्शन लाभ नहीं मिलता है।

दशमूल औषधियों सहित काढ़ा और गर्म पानी पी रहे महाप्रभु

पं.परितोष पाणिग्रही ने बताया कि स्नान पूर्णिमा पर अत्यधिक जल से स्नान करने के कारण भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभदा को सर्दी और बुखार होने की मान्यता है। बीमार हुए महाप्रभु का अभी इलाज चल रहा है। सेक्टर 4 व सेक्टर 6 जगन्नाथ मंदिर में वैद्य रोज महाप्रभु की नाड़ी देख रहे हैं और औषधियां और गर्म पानी दे रहे हैं। उन्हें औषधीय काढ़े, दशमूलारिष्ट, खाने में अंकुरित मूंग, सलाद और खिचड़ी दी जा रही है। महाप्रभु के सेवादारों के अनुसार इससे भगवान के स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। इसके चलते उन्हें साधारण भोग लगेगा। इस दौरान पारंपरिक 56 भोग नहीं लगाया जाता है। इसकी जगह भगवान को औषधियां और काढ़ा दिया जाता है। स्वास्थ्य लाभ के लिए अदरक, काली मिर्च और तुलसी से बना काढ़े का भोग लगाने का प्रावधान है।

यूपीएससी ने ड्रग इंस्पेक्टर, असिस्टेंट इंजीनियर सहित कई पदों पर निकली भर्ती

भिलाई। संघ लोक सेवा आयोग ने ड्रग इंस्पेक्टर, असिस्टेंट इंजीनियर, लीगल ऑफिसर सहित कई पदों पर भर्ती के लिए ऑफिशियल नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। जो उम्मीदवार इन पदों पर नौकरी करना चाहते है। वे उम्मीदवार ऑफिशियल यूपीएससी की वेबसाइट upsc.gov.in पर जाकर ऑनलाइन माध्यम में आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती अभियान के जरिए कुल 450 योग्य उम्मीदवारों की नियुक्ति जाएगी। आवेदन करने की लास्ट डेट 17 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की पदानुसार अधिकतम सत्यमेव यते UPSC आयु 35, 38 और 40 वर्ष निर्धारित की गई है। रिजर्व केटेगरी के उम्मीदवारों को आयु-सीमा में कुछ विशेष छूट भी दी जाएगी। विभिन्न पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों के पास भारत के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से पद से संबंधित विषय में स्नातक या स्नातकोत्तर की डिग्री व अन्य निर्धारित पात्रताएं होनी चाहिए। आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन फीस का भुगतान करना होगा। जनरल केटेगरी के उम्मीदवारों के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 25 रुपए निर्धारित की गई है। इसके साथ ही एससी एवं एसटी, महिला और दिव्यांग वर्ग के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क में छूट दी गई है।

साइंस कॉलेज दुर्ग में स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेशित विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं शुरू

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में सत्र 2026-27 में स्नातक स्तर की प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए तृतीय मेरिट सूची जारी कर दी गयी है। लगभग 75 प्रतिशत सीटें भर चुकी है। शेष सीटों पर तृतीय सूची के माध्यम से प्रवेश दिया जायेगा। यह जानकारी देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने बताया कि प्रवेशित विद्यार्थियों की नियमित कक्षाएं 6 जुलाई से आरंभ हो गयी है। लगभग सभी संकायों की प्रथम वर्ष की कक्षाएं आरंभ हो गयी। डॉ. सिंह ने प्रथम सेमेस्टर के प्रवेशित विद्यार्थियों से कहा है, कि वे नियमित रूप से कक्षाओं में उपस्थित हों। डॉ. सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर कक्षाओं में प्रवेश के लिए महाविद्यालय के पोर्टल में रजिस्ट्रेशन आरंभ हो चुका है। एम.ए., एमकॉम, एम. एससी, एम.लिब, आदि कक्षाओं में प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी अपना पंजीयन करा सकते है। महाविद्यालय की स्वशासी परीक्षा प्रकोष्ठ नियंत्रक, डॉ. जगजीत कौर सलूजा के अनुसार साईंस कालेज, दुर्ग में अंग्रेजी, हिन्दी, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीति शास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल में एम.ए. एम.कॉम, एम.लिब आईएससी तथा भौतिक, गणित, रसायन, भूगर्भशास्त्र, माइकोबायलॉजी, बायोटेक्नालॉजी, कम्प्यूटर साइंस, प्राणी शास्त्र, वनस्पति शास्त्र में एम.एससी की सुविधा उपलब्ध है।

महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि 5 जुलाई तक बी.ए. की 500 सीटों में 329, बी. एससी बायोलॉजी समूह की 525 सीटों में से 320 बी.एससी गणित समूह की 575 सीटों में 288 बी. कॉम. 520 सीट में से 391, बी.सी.ए. की 60 सीटों में से 37 और बीएससी कम्प्यूटर सांईस की 100 सीटों में से 59 सीटों पर प्रवेश हो चुका है।

भिलाई-3 में आज मनाया जाएगा श्री शीतला जुड़वास उत्सव

भिलाई। आषाढ़ मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला शीतला जुड़वास उत्सव माता पहुंचनी और शांति पूजा इस साल 9 जुलाई को शीतला मंदिर, भिलाई-3 में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न होगा। कार्यक्रम का शुरुआत सुबह 8 बजे माता के श्रृंगार एवं अभिषेक पूजन से होगा। इसके पश्चात सुबह 9 बजे हवन, पूजन एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। वहीं भजन मंडली द्वारा मां शीतला के जस-गीतों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठेगा।

शीतला मंदिर समिति एवं समस्त ग्रामवासियों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित कार्यक्रम में शामिल होकर माँ शीतला का पूजन-अर्चन एवं दर्शन करने का आग्रह किया है। समिति ने मंदिर के विकास एवं सेवा कार्यों के लिए श्रद्धालुओं से यथाशक्ति सहयोग प्रदान करने की भी अपील की है।

दुर्ग पुलिस अब और भी हो रही आधुनिक, अधिकारियों को हाइटेक मोबाइल डेटा टर्मिनल का प्रशिक्षण

कार्नर न्यूज

अब घटनास्थल से ही दर्ज होगी एफआईआर, दुर्ग पुलिस को मिले हाईटेक मोबाइल डेटा टर्मिनल, विवेचना होगी तेज और पारदर्शी

भिलाई। दुर्ग पुलिस अब और आधुनिक हो गई है। अपराध विवेचना को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए जिले के विवेचकों को हाईटेक मोबाइल डेटा टर्मिनल दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय रायपुर से प्राप्त सैमसंग गैलेक्सी एक्स कवर आधारित मोबाइल डेटा टर्मिनल का वितरण पुलिस अधीक्षक कार्यालय दुर्ग के प्रशासनिक भवन में स्थित दधिची प्रशिक्षण हॉल में किया गया। जिले के सभी थाना और चौकी में पदस्थ विवेचक इस उपकरण से लैस होंगे।

अब जांच होगी और तेज

मोबाइल डेटा टर्मिनल मिलने के बाद विवेचकों को थाना आने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। वे अब घटनास्थल से ही जरूरी काम कर सकेंगे। इससे यह फायदा होगा कि एफआईआर तुरंत ऑनलाइन दर्ज हो जाएगी। गवाहों के बयान मौके पर ही रिकॉर्ड होंगे और अपराध से जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण जानकारी तुरंत सिस्टम में अपलोड होगी। विवेचना की गति और गुणवत्ता दोनों बढ़ेगी। मामलों का समय पर निपटारा हो सकेगा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस तकनीक से डिजिटल पुलिसिंग और ज्यादा प्रभावी और आधुनिक बनेगी।

जिम्मेदारी से काम करने के निर्देश

उपकरण वितरण के दौरान विवेचकों को साफ निर्देश दिए गए कि इनका उपयोग पूरी निष्ठा, दक्षता और जिम्मेदारी के साथ करें। तकनीक का मकसद है आमजन को जल्द और बेहतर पुलिस सेवा देना। अधिकारियों ने कहा कि उपकरणों की देखभाल भी जरूरी है ताकि लंबे समय तक इसका फायदा मिल सके। दुर्ग पुलिस ने कहा कि हमारी कोशिश है तकनीक के जरिए अपराध विवेचना को ज्यादा पारदर्शी, दक्ष और समयबद्ध बनाना है। यह पहल इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। पुलिस ने आमजन से भी अपील की है कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस को जरूरी जानकारी देकर सहयोग करें। आपकी एक जानकारी अपराध पर लगाम लगा सकती है। कुल मिलाकर अब दुर्ग पुलिस तकनीक के सहारे अपराधियों पर जल्द नकेल कसने की स्थिति में होगी।

सिटी इवेंट

प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की हुई संभागीय बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की संभागीय बैठक ठगडा बांध दुर्ग में संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व संरक्षक सलाहकार ओपी शर्मा थे। इस अवसर पर सदस्यता अभियान, वेतन विसंगति, निजीकरण और जीवनदीप समिति कर्मचारियों के शोषण जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। वेतन विसंगति और बर्खास्तगी पर नाराजगीप्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने कहा कि संघ सदस्यता अभियान तेज कर नए सदस्यों को जोड़ेगा। आठवें वेतन आयोग से पहले सभी कैडरों की वेतन विसंगति दूर की जाए। संभागीय अध्यक्ष अजय नायक ने कहा कि जीवनदीप समिति कर्मचारियों को न्यूनतम मानदेय पर रखकर रात-दिन काम लिया जा रहा है। उन्हें अनुभव प्रमाणपत्र, नियमित भर्ती में अवसर और बोनस अंक नहीं दिए जा रहे। जिला अध्यक्ष दुर्ग सत्येंद्र गुप्ता ने बताया कि दुर्ग जिले में 5 स्वास्थ्य कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है। निजीकरण का विरोध करते हुए राजनांदगांव अध्यक्ष लाभेश पगारे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को निजी हाथों में सौंपने से नियमित कर्मचारियों के साथ प्रशिक्षण ले रहे युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय होगा। ओपी शर्मा ने कहा कि 2018 में डीके एस अस्पताल से निजीकरण शुरू हुआ। राजस्व और प्रशासनिक पदों में निजीकरण क्यों नहीं होता। स्वास्थ्य कर्मचारियों की मूल मांगें पूरी करना जरूरी है। डॉ एसोसिएशन सीडा की जिला अध्यक्ष विनिता ध्रुवे ने सभी कैडरों पर दंडात्मक कार्रवाई के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। बैठक में नर्सिंग कैडर की मंजू राय, वाहन चालक अब्दुल सलीम और वेटलिफ्टिंग में स्वर्ण पदक विजेता सहायक ग्रेड-2 नशकर टंडन को शाल-श्रीफल-मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में प्रमेश पाल, एसपी देवांगन, पीसी जेम्स, संतोष देवांगन, राघवेंद्र साहू, लक्ष्मीकांत धोटे, पुष्पा बांधे सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिटी लाइव

जसम भिलाई के अशोक अध्यक्ष और सचिव बने सुरेश

भिलाई। जन संस्कृति मंच दुर्ग-भिलाई ईकाई की महत्वपूर्ण बैठक इस्पात नगर भिलाई में सम्पन्न हुई। जन संस्कृति मंच छत्तीसगढ़ के संरक्षक-समन्वयक सियाराम शर्मा, कथाकार कैलाश बनवासी, जसम के राष्ट्रीय सचिव राजकुमार सोनी, छत्तीसगढ़ राज्य इकाई की अध्यक्ष रूपेन्द्र तिवारी तथा कार्यकारिणी सदस्य पूनम संजू की उपस्थिति में दुर्ग-भिलाई ईकाई का पुनर्गठन किया गया। इस मौके पर सदस्यों ने सर्वसम्मति से ईकाई के अध्यक्ष के तौर पर आलोचक अशोक तिवारी का चयन किया जबकि सचिव पद की जिम्मेदारी दूसरी बार भी लेखक सुरेश वाहने को दी गई। जसम भिलाई के उपाध्यक्ष एन. पापा राव, दिव्या, विद्याभूषण बनाए गए। सह-सचिव पद पर सुबोध देवांगन और पूर्णिमा साहू का चयन किया गया। कोषाध्यक्ष सुलेमान खान, सह-कोषाध्यक्ष अनु वर्मा, नाटक टीम का प्रभार संस्कृतिकर्मी हरजिंदर सिंह मोटिया व जयप्रकाश नायर को दिया गया है। कार्यकारिणी सदस्यों में मीतादास, घनश्याम त्रिपाठी, अंजन कुमार, अभिषेक पटेल, बृजेन्द्र तिवारी, दिनेश सोलंकी, टेकलाल निराला, पवन कुमार ढिण्डे, मनिंदर सिंह शामिल किए गए हैं। संरक्षक की जिम्मेदारी प्रसिद्ध आलोचक सियाराम शर्मा, कथाकार कैलाश बनवासी, कवि वासुकि प्रसाद 'उन्मत्त' को दी गई है।इस अवसर पर सियाराम शर्मा ने जन संस्कृति मंच के सांगठनिक इतिहास की जानकारी साझा की। उन्होंने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। राजकुमार सोनी ने जसम में युवाओं की भागीदारी को जरूरी बताया।

समाज इवेंट

टीम भिलाई एंथम ने याद किया तीजन बाई का योगदान

भिलाई। वर्ष 2018 में इस्पात नगरी भिलाई पर आधारित भिलाई एंथम तैयार करने वाली टीम ने पद्मविभूषण स्व. तीजन बाई के योगदान को याद किया है। टीम भिलाई एंथम ने तीजन बाई को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। टीम की संयोजक प्रोफेसर सुस्मिता बसु मजुंमदार ने कहा कि अपने शहर भिलाई को एक आदरांजलि देने उन्होंने इसकी रचना की थी और पूरी टीम का मानना था कि इसकी शुरूआत छत्तीसगढ़ की धरोहर पद्मविभूषण तीजन बाई से होनी चाहिए। ऐसे में सीनियर सेकंडरी स्कूल सेक्टर-10 के 1988 बैच से बनीं टीम उनसे मिली थी। बसु ने बताया कि भिलाई एंथम में वह अपनी लिखी लाइन से तीजन बाई से शुरूआत करवाना चाहती थीं लेकिन तीजन बाई ने कहा कि वह पंडवानी के अलावा कुछ और नहीं गा सकतीं। इसलिए टीम ने तय किया कि उनसे पंडवानी ही गाने कहेंगे। इस पर वे राजी हो गईं और रायपुर के स्टूडियो में पहुंच कर उन्होंने रिकार्डिंग के लिए पंडवानी गाना शुरू किया। सुस्मिता ने कहा कि 'भिलाई एंथम' के लॉन्च से ठीक पहले तीजन बाई को सीने में दर्द के कारण सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। ऐसे में वह लॉन्च में शामिल नहीं हो पाईं, जहां भिलाई से जुड़ी प्रख्यात हस्तियों अनुराग बसु, अरुंधति भट्टाचार्य, अनुज शर्मा, अमित साना, पामेला जैन, तत्कालीन सीईओ एम. रवि और भिलाई एंथम टीम के सदस्य मौजूद रहने वाले थे। ऐसे में लॉन्च से पहले सुबह टीम भिलाई एंथम उनसे मिलने हॉस्पिटल पहुंची। तब तीजन बाई लॉन्च में न आ पाने के कारण बहुत दुखी थीं। पंडवानी गुरु तीजन बाई के निधन की खबर मिलने पर टीम भिलाई एंथम से जुड़े देश-विदेश के भिलाईयंस ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी है।

● विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना, आरती, प्रसादी वितरण और जसगीत के साथ पूरा माहौल हुआ भक्तिमय

जुड़वास में नीम पत्ती से कराया माता को स्नान, वैदिक मंत्रोच्चार के साथ चनादाल और पंचामृत किया अर्पित

भिलाई। देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई नगर के तत्वावधान में प्रगति नगर रिसाली स्थित परमेश्वरी मंदिर में माता जुड़वास का कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों परिजन शामिल हुए। इस अवसर पर नीम पत्ती से माता को स्नान कराया, जिसके बात विशेष विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना, आरती, प्रसादी वितरण और जसगीत के साथ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता को गंगाजल, दूध-दही, चनादाल और पंचामृत अर्पित किया। पूरे अनुष्ठान के दौरान भक्तों ने जयकारे लगाए। समाज ने माता से सभी परिजनों की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

विशेष श्रृंगार और सामूहिक पूजा

जुड़वास आयोजन के अवसर पर शाम 5 बजे माता को नए वस्त्र, आभूषण और विभिन्न प्रकार के फूलों से भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को दीपों और फूलों से सजाया गया था। पूजा-अर्चना का नेतृत्व समिति के पदाधिकारियों ने किया। समाज के अध्यक्ष रामानंद देवांगन, सचिव सोहनलाल देवांगन और कोषाध्यक्ष रेशमलाल देवांगन ने सामूहिक रूप से माता की पूजा कर सामाजिक परिजनों की सुख-शांति के लिए प्रार्थना की। मंदिर के पुजारी विनय मिश्रा और शिव मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता को गंगाजल, दूध-दही, चनादाल और पंचामृत अर्पित किया। इसके बाद नीम पत्ती से माता को स्नान कराया गया। पूरे अनुष्ठान के दौरान भक्तों ने जयकारे लगाए।

प्रसादी, स्वल्पाहार और जसगीत की प्रस्तुति

शाम को पूजा के बाद संध्या आरती की गई। आरती में सभी समाजिकजनों ने दीप जलाकर भागीदारी दी। आरती के पश्चात प्रसादी और स्वल्पाहार का वितरण किया गया। भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान जसगीत के आयोजन ने कार्यक्रम को और भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने जसगीत की सुंदर प्रस्तुति देकर माता की सेवा की। भक्तिमय गीतों से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा।

पदाधिकारियों और समाजजनों की उपस्थिति

माता जुड़वास में समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी, युवा और महिला प्रकोष्ठ की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष टेसूराम, जुगलकिशोर, सहसचिव गोवर्धन, जितेंद्र बांकुरे, होमलाल उपस्थित रहे। समाज के वरिष्ठ सलाहकार विष्णुलाल, हुकुमचंद, विजयकुमार, नंदकुमार, ढालसिंग, परमेश्वर, रूपलाल, राधेश्याम, शिव भी शामिल हुए। भवन प्रभारी नरेन्द्र, मंदिर प्रभारी राजूलाल, चैनेश्वर ने व्यवस्था संभाली। युवा प्रकोष्ठ से संरक्षक चंद्रकुमार, अध्यक्ष महेंद्र, सचिव विजय, भूपेंद्र, राहुल, भूपेश, प्रवीण, जोगेंद्र ने युवाओं का नेतृत्व किया। महिला प्रकोष्ठ से शशि, हेमलता विष्णु, कांति, दामिनी, जयश्री होमलाल, कल्पना, सरिता, जयश्री, मधु, केश्वरी, लता, कल्याणी, गूंजा, दिनेश्वरी, आरती, बीणा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने माता से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। व्यवस्था, प्रसादी वितरण और सजावट में सभी ने सहयोग किया। समिति के मीडिया प्रभारी शंकरलाल देवांगन ने बताया कि माता जुड़वास हर साल श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज में एकता, भाईचारा और धार्मिक भावना को बढ़ाना है। उन्होंने सभी उपस्थित परिजनों का आभार जताते हुए कहा कि आगे भी ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वैदिक सत्संग व परिचर्चा

गुरुकुल क्रांति की राष्ट्रीय परिचर्चा में सेवा को बताया आत्मा की परिपक्वता

भिलाई। गुरुकुल क्रांति द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वैदिक सत्संग एवं परिचर्चा में देशभर से आर्यजन, शिक्षक, समाजसेवी और वैदिक जीवनमूल्यों में आस्था रखने वाले श्रोता आनलाइन जुड़े। कार्यक्रम का मुख्य विषय सेवा - स्वयं के लिए नहीं, समष्टि के लिए जीना रखा गया था। राष्ट्रीय परिचर्चा की अध्यक्षता आचार्य विवेक वरुण ने की और संचालन शारदा किया। छत्तीसगढ़ से आचार्य डॉ. अजय आर्य ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि सेवा कोई सामान्य सामाजिक क्रिया नहीं। यह आत्मा की परिपक्वता, अध्यात्म की ऊंचाई और मनुष्यत्व की सार्थकता है। सेवा का अर्थ है स्वयं से ऊपर उठकर समष्टि के लिए जीना। जो अपने अहं, स्वार्थ से ऊपर उठकर लोकमंगल को ध्येय बना ले वही सच्चा सेवक है। आचार्य डॉ आर्य ने कहा कि मैं तो उस फैशन डिजाइनर की प्रतीक्षा कर रहा हूं जो कफन में भी जेब लगा दे । उन्होंने कहा कि मनुष्य खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है। डिग्री, पद, बैंक बैलेंस बढ़ रहा है लेकिन भीतर की शांति घट रही है। संग्रह से सिर्फ भ्रम मिलता है, सेवा से जीवन को अर्थ और संतोष मिलता है। संत और बिच्छू की कथा का उदाहरण देते हुए कहा कि डंक मारना बिच्छू का स्वभाव है, बचाना मेरा स्वभाव। इसी तरह सेवा भी सामने वाले की कटुता से प्रभावित नहीं होती। महर्षि दयानंद को सिर्फ तर्कशास्त्री मानना अधूरा है। उनका तेज प्रेम, दया, करुणा, तप और लोकमंगल में था। भारतीय चिंतन का उद्देश्य व्यक्तिगत उन्नति नहीं, लोकमंगल है। उन्होंने आश्रम व्यवस्था को अनुशासन और वर्ण व्यवस्था को उत्तरदायित्व का संतुलन बताया। अध्यक्ष आचार्य विवेक वरुण ने कहा कि यह व्याख्यान आत्ममंथन का अवसर था। ऐसे विचार समाज के लिए दिशा-दर्शक हैं। कार्यक्रम में आदित्य आहूजा, अवधेश कुमार, बी. दवान, बसंत वर्मा, भारती इंगले, चंपा कपकोटी, धीरज बंसल, इंदु कुमारी, कविता वाणी, कुसुम लता आर्य, नरेश बत्रा, निर्मला कादियान, ओमप्रकाश, पंकज डखरे, प्रीति सिन्हा, राममोहन रस्तोगी, रानी कालरा, सत्य सोमनाथ साहू, सविता अग्रवाल, सीमा आर्या, शांति देवी, उमेश पाटिल, योगमुनी, आचार्य ओमवीर शास्त्री, निवेदिता सिंह सहित अनेक जन उपस्थित थे।

वन महोत्सव पर कार्यक्रम

वन महोत्सव पर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश, नुक्कड़ नाटक की भी प्रस्तुति

भिलाई। भिलाई पब्लिक स्कूल में वन महोत्सव के अवसर पर डायरेक्टर एचपीएस उप्पल और प्राचार्या हरविंदर कौर उप्पल के निर्देशन में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मरोदा पार्क तथा विद्यालय परिसर में उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर हरित और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से बच्चों ने पेड़ों के महत्व, बढ़ते प्रदूषण तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता के प्रति लोगों को जागरूक किया। विद्यार्थियों की सशक्त प्रस्तुति की उपस्थित सभी लोगों ने सराहना की। विद्यालय की एडमिनिस्ट्रेटर बेटसेबा रानी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने वृक्षों के संरक्षण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से पौधों का रोपण किया तथा उनके नियमित संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित व स्वच्छ वातावरण बनाने का आह्वान किया।

सर्वधर्म सेवा संस्था का 22वां स्थापना दिवस सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया

विभिन्न धर्मों, जातियों और प्रदेशों की वेशभूषा में बच्चों ने दिया राष्ट्रीय एकता व भाईचारे का संदेश

कार्नर न्यूज

भिलाई। सर्वधर्म सेवा संस्था का 22वां स्थापना दिवस आमदी नगर विद्या निकेतन स्कूल में हर्षोल्लास वातावरण में सद्भावना दिवस के रूप में बच्चों में बिस्कुट और मिठाई बांट कर मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था के संरक्षक वीरेंद्र सतपथी, संस्था के संस्थापक प्रतीक भोई, महासचिव राकेश रत्नाकर, उपाध्यक्ष घनश्याम पांडे, सचिव रघुवंश सेनी, दीपक कुमार रुद्रा अध्यक्ष, आमदी नगर शिक्षा समिति, आर. डी. साहू महासचिव, आमदी नगर शिक्षा समिति, वसंत सालंकर सहित संस्था के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं स्कूल की शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

समाज को जोड़ने की आवश्यकता

वीरेंद्र सतपथी ने कहा कि आज के समय में समाज को जोड़ने, प्रेम, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने की सबसे अधिक आवश्यकता है। उन्होंने सर्वधर्म सेवा संस्था द्वारा पिछले 22 वर्षों से समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए संस्था के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रतीक भोई ने संस्था की स्थापना से लेकर अब तक की 22 वर्षों की सेवा यात्रा का उल्लेख करते हुए बताया कि संस्था पर्यावरण संरक्षण, अंगदान, रक्तदान, शिक्षा, सामाजिक समरसता तथा मानव सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी समाजहित के नए अभियान चलाती रहेगी।

पारंपरिक वेशभूषा में दिया एकता का संदेश

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण आमदी नगर विद्या निकेतन स्कूल के लगभग 40 विद्यार्थियों की मनमोहक प्रस्तुति रही। सभी बच्चे भारत के विभिन्न धर्मों, जातियों एवं राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर मंच पर आए और अपने संदेश एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से सर्वधर्म समभाव, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्था द्वारा विद्यालय के मेधावी व आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की शिक्षा में सहयोग करते हुए उनकी शुल्क राशि विद्यालय की प्राचार्या माधुरी को प्रदान की गई। अंत में संस्था के उपाध्यक्षघनश्याम पांडे ने उपस्थित सभी अतिथियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों को समाज में आपसी भाईचारा, सर्वधर्म समभाव तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प दिलाया। सभी ने समाज में प्रेम, सद्भाव, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में माधुरी कश्यपकर प्राचार्या आमदी नगर विद्या निकेतन, मंजू सायगल, अपर्णा गर्वे, शिखा रानी बर्नवाल, चंद्राणी राय, सुरेखा देवी सोलंकी, रूपा रेनू, अंकिता मानिक, गायत्री पात्र, सुनीता ध्रुव, शीमा देवांगन, वीणा कविराज, मानसी साहू, लक्ष्मी नाग, सरोजा नायक, मेहताब बेगम, योगेश्वरी देशमुख, संयुक्ता शील रेशमा रजक, नंदनी ध्रुव सहित अन्य उपस्थित थे।

सिटी स्पोर्ट्स

रायपुर जिला क्रिकेट संघ के ट्रायल जारी

रायपुर। रायपुर जिला क्रिकेट संघ के ट्रायल जारी हैं। बुधवार को अंडर 16 के 289 खिलाडियों ने भाग लिया। रायपुर जिला क्रिकेट संघ ने वर्ष 2027-28 हेतु सभी वर्गों के ट्रायल 07 जुलाई से प्रांरभ कर दिए है। ज्ञातव्य है कि 22 जून से 29 जून तक सभी वर्गो के खिलाडियों का पंजीयन किया गया। इसके बाद वर्गवार खिलाडियों का ट्रायल शुरू हुआ। शुरुआती दो दिन आर डी सी ए इंडोर स्टेडियम, तेलीबांधा रायपुर में अंडर 16 वर्ग के लगभग 289 खिलाडियों का ट्रायल हुआ। ट्रायल 4 स्लॉट में लिया गया। पहला स्लॉट सुबह 8.30 बजे से प्रांरभ हुआ। खिलाडियों को क्रमशः प्रांरभिक बल्लेबाज, मध्यक्रम बल्लेबाज, तेज गेंदबाज तथा स्पिन गेंदबाज वर्ग में विभाजित कर ट्रायल लिया गया। 10-11 जुलाई को अंडर-19 वर्ग के खिलाडियों का ट्रायल जारी रहेगा, जो 6 स्लॉट में संपन्न होगा।

राज्य स्तरीय शिविर में सीखा आत्मरक्षा कौशल

रायपुर। महासमुंद जिला प्रशासन, खेल एवं युवा कल्याण तथा कुडो संघ द्वारा राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 29 जून से 03 जुलाई तक किया गया। जिसमें 19 जिले के 368 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस प्रशिक्षण शिविर में खिलाड़ियों को आत्मरक्षा कौशल, शारीरिक विकास, मानसिक विकास, बालिकाओं की भागीदारी पर जोर दिया गया, खेल कूद, योगा जुम्बा के माध्यम से शारीरिक विकास, स्वास्थ्य एवं फिटनेस जागरूकता नियमित रूप से किया गया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि विनय कुमार लंगेह कलेक्टर महासमुंद ने जिलों से आए प्रशिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों में मीरा पंडा, संजना मुन्ना, अंजू बरिहा, हिमांशु देवांगन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राज्य स्तरीय कराते में जीते पदक

रायपुर। कराटे एसोसिएशन आफ़ छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में 28 एवं 29 जून को सरस्वती शिशु मंदिर चांपा में राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता ट्रायल का आयोजन किया गया. जिसमें छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपने प्रतिभा का परिचय दिया।

इस प्रतियोगिता में बिलासपुर के सात खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया। अपने-अपने वर्ग में पदक प्राप्त कर कोलकाता में होने वाले राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जगह सुनिश्चित की। जिसमें बालिका वर्ग में 17 वर्ष आयु में इच्छा नेताम कुमिते में गोल्ड व काता मे ब्रॉन्ज मेडल, प्रिया यादव ने कुमिते में रजत पदक काता में ब्रॉन्ज मेडल, वैष्णवी कौशिक ने कुमिते में सिल्वर काता में रजत पदक जीता।

14 वर्ष आयु में भारती कश्यप ने काता में ब्रॉन्ज मेडल, सुप्रिया श्रीवास ने कांस्य पदक, इशिका नेताम ने कुमिते में कांस्य पदक काता कांस्य पदक, सहज वीर सिंह ने कुमिते में कांस्य पदक प्राप्त किया। प्रशिक्षक ठाकुर कर्ण सिंह एवं शिवानी बुधौलिया ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

रग्बी खिलाड़ियों ने जीता साल का तीसरा खिताब

रायपुर। राज्य स्तरीय रग्बी प्रतियोगिता कोरबा के प्रियदर्शनी स्टेडियम मे आयोजित की गई। जिसमे बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के अंडर 18 बालिकाओ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मे महासमुंद की टीम को 15/5 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब जीता।

बालिका टीम में द्रौपति निर्मलकर (कप्तान), गोमती, श्रद्धा, रोशनी, नंदनी, मानसी, भूमिका, सरस्वती , लावण्या, डिंपल, याचना, कुसुम, कोच दुलेश्वरी धीवर, रमजान अली और मैनेजर होमेंश्वरी निर्मलकर शामिल थे।

बढ़ती उम्र के साथ हड्डियों की सेहत पर पड़ता है असर

दिनचर्या की इन गलतियों की वजह से बढ़ जाता है आर्थराइटिस का खतरा, बरतें ये सावधानियां

अक्सर कुछ लोगों कम उम्र में ही आर्थराइटिस की शिकायत हो जाती है, इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, इन्हीं में एक प्रमुख कारण है हमारी दिनचर्या की कुछ गलत आदतें। आइए जानते हैं दिनचर्या की किन गलतियों की से अर्थराइटिस की शिकायत होती है। आर्थराइटिस यानी जोड़ों का दर्द, सूजन और अकड़न, यह एक ऐसी समस्या है जो आमतौर पर उम्र बढ़ने के साथ होती है। लेकिन आजकल युवाओं में भी दिनचर्या की कुछ गलत आदतों की वजह से आर्थराइटिस का जोखिम बढ़ रहा है। हमारा गलत खानपान, गतिहीन जीवनशैली और कुछ अनुचित आदतें सीधे तौर पर आर्थराइटिस के खतरे को बढ़ा देती हैं। ये आदतें हमारे जोड़ों पर अनावश्यक दबाव डालती हैं और उन्हें कमजोर करती हैं।

खासकर, मानसून के मौसम में नमी और बदलते मौसम के कारण जोड़ों का दर्द और भी ज्यादा परेशान करने लगता है। अच्छी बात यह है कि यदि हम समय रहते कुछ सावधानियां बरतें और अपनी दिनचर्या में जरूरी बदलाव लाएं, तो इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए इस लेख में हम उन आम गलतियों और जरूरी सावधानियों के बारे में जानते हैं, जिससे शरीर में आर्थराइटिस का खतरा बढ़ जाता है। सबसे पहले

गलतियों के बारे में जानते हैं।

गलतियां - गतिहीनता और खराब मुद्रा

दिनचर्या में लंबे समय तक बैठे रहना या गतिहीन जीवनशैली आर्थराइटिस का प्रमुख कारण है। ऑफिस में घंटों गलत मुद्रा में बैठने से जोड़ों और मांसपेशियों पर दबाव पड़ता है, जिससे रीढ़, घुटने और कूल्हों में अकड़न बढ़ती है।

गलत तरीके से वजन उठाना या बार-बार झुकने से जोड़ों की कार्टिलेज घिस सकती है, जो ऑस्टियोआर्थराइटिस का कारण बनता है। इसके अलावा, व्यायाम की कमी से जोड़ों का लचीलापन कम होता है, जिससे दर्द और सूजन का खतरा बढ़ता है।

असंतुलित आहार

असंतुलित आहार भी आर्थराइटिस के प्रमुख कारणों में से एक है। विटामिन D, कैल्शियम और ओमेगा-3 की कमी जोड़ों को कमजोर करती है। तला-भुना, प्रोसेस्ड फूड और चीनी युक्त खाद्य पदार्थ रूमेटॉइड आर्थराइटिस को ट्रिगर कर सकता है।

मोटापा

इसके अलावा मोटापा भी एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि अतिरिक्त वजन घुटनों और कूल्हों पर दबाव डालता है, जिससे कार्टिलेज तेजी से घिसता है। इसलिए अपने वजन का संतुलन बनाए रखना बहुत जरूरी है।

सावधानियां - सक्रिय जीवनशैली और व्यायाम

आर्थराइटिस के जोखिम को कम करने के लिए

सक्रिय जीवनशैली अपनाएं। रोजाना 30 मिनट का हल्का व्यायाम, जैसे टहलना, योग, या स्ट्रेचिंग, जोड़ों को लचीला रखता है और मांसपेशियों को मजबूत करता है। स्विमिंग और साइकिलिंग जैसे कम प्रभाव वाले व्यायाम जोड़ों पर दबाव डाले बिना उनकी गतिशीलता बढ़ाते हैं। सही मुद्रा में बैठें और भारी वजन उठाते समय सावधानी बरतें। नियमित रूप से पेल्विक फ्लोर और कोर स्ट्रेंथ एक्सरसाइज करें।

आहार और चिकित्सीय सलाह

आहार में एंटी-इन्फ्लेमेटरी खाद्य पदार्थ जैसे हल्दी, अदरक, ओमेगा-3 युक्त मछली, नट्स, और हरी सब्जियां शामिल करें। विटामिन डी के लिए धूप लें और कैल्शियम युक्त दूध, दही खाएं। वजन नियंत्रित रखने के लिए संतुलित आहार अपनाएं और प्रोसेस्ड फूड से बचें। अगर जोड़ों में दर्द, सूजन या अकड़न लंबे समय तक बनी रहे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

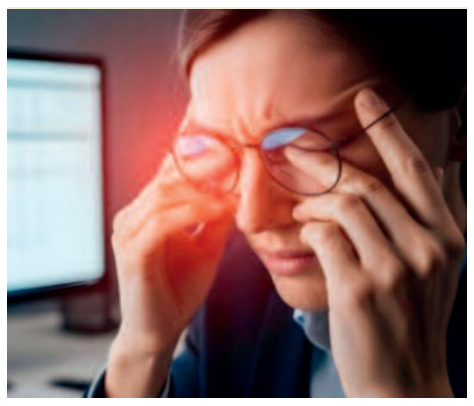

आपकी नजर भी हो गई है धुंधली तो तुरंत करें ये काम

डायबिटीज केवल रेटिना ही नहीं, बल्कि मोतियाबिंद और ग्लूकोमा जैसी आंखों की बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देती है। अच्छी बात यह है कि समय पर ब्लड शुगर नियंत्रण और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इन जटिलताओं के जोखिम को काफी कम किया जा सकता है।

डायबिटीज तेजी से बढ़ता हुआ एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट है। रिपोर्ट से पता चलता है दुनियाभर में 20-79 साल की उम्र के 589 मिलियन (58.9 करोड़) से ज्यादा वयस्क इस बीमारी से जूझ रहे हैं। जिस तेजी के साथ डायबिटीज के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है ऐसे में आशंका है कि साल 2050 तक इनकी संख्या 853 मिलियन (85 करोड़ से ज्यादा) हो सकती है।डायबिटीज को अक्सर लोग सिर्फ शुगर बढ़ने की बीमारी मान लेते हैं, लेकिन जोखिम इससे कहीं ज्यादा गंभीर है। लंबे समय तक अनियंत्रित ब्लड शुगर शरीर की छोटी-छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है और इसका सबसे खतरनाक असर आंखों पर पड़ता है। यही कारण है कि दुनिया भर में अंधेपन के प्रमुख कारणों में

डायबिटिक रेटिनोपैथी भी शामिल है।

आंखों पर डायबिटीज का असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों का ब्लड शुगर अक्सर बढ़ा रहता है उनमें किडनी, हार्ट की समस्याओं का खतरा भी अधिक होता है। डायबिटीज का तंत्रिकाओं पर भी असर होता है इससे आंखों को रक्त का संचार करने वाली नसें भी प्रभावित हो जाती हैं। डायबिटीज के कारण आंखों को होने वाले नुकसान के शुरुआत में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते। व्यक्ति को न दर्द होता है और न ही तुरंत नजर कम होती है। हालांकि समय के साथ ये आंखों की रोशनी को प्रभावित करती जाती है।

डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या

हाई ब्लड शुगर रेटिना की सूक्ष्म रक्त वाहिकाओं को कमजोर बना देती है। इससे सूजन, रक्तस्राव का जोखिम हो सकता है, जिससे नजर कमजोर होने लगती है। इसे डायबिटिक रेटिनोपैथी की समस्या कहा जाता है। इसके कारण नजर धुंधली हो जाती है, फ्लोटर्स दिखते हैं और गंभीर मामलों में रोशनी तक जा सकती है। कई लोगों को रात में कम दिखता है, रंगों की पहचान में करने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे लक्षण होने पर तुरंत डॉक्टर से मिलना चाहिए।

डायबिटीज वाले अपनी आंखों को कैसे बचाएं?

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों को टाइप-2 डायबिटीज है उन्हें आंखों की विस्तृत जांच करानी चाहिए। इसके अलावा एचबीए1सी, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने से भी आंखों की रक्त वाहिकाओं पर दबाव कम पड़ता है और रेटिनोपैथी बढ़ने का खतरा घट सकता है। आंखों की दिक्कतों को कम करने के लिए आहार और लाइफस्टाइल को ठीक रखना भी जरूरी है। धूम्रपान छोड़ें, दवाएं समय पर लें, आंखों की नियमित जांच कराएं। इससे आंखों की रोशनी जाने से बचाया जा सकता है।

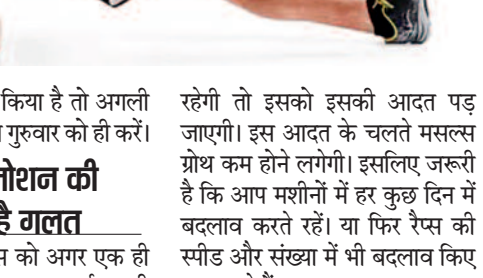

बिजनेस में तरक्की के लिए अपनाएं वास्तु उपाय

हमारे घर से लेकर वर्कप्लेस तक के लिए कई ऐसे वास्तु नियमों के बारे में बात की जाती है जो जीवन में आपको उन्नति दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ वास्तु की टिप्स के बारे में जो आपके बिजनेस में तरक्की का कारण बन सकते हैं।

वास्तु शास्त्र आपके व्यवसाय में सफलता और वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आइए यहां जानें कुछ ऐसे वास्तु टिप्स जो आपके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद कर सकते हैं और आपको जल्द ही मुनाफा होने लगेगा-

अगर आप बिजनेस में ग्रोथ के बारे में सोच रही हैं तो आपको बिजनेस की सही दिशा चुननी चाहिए। उत्तर, उत्तर-पूर्व और पूर्व दिशाएं किसी भी व्यवसाय की वृद्धि के लिए शुभ मानी जाती हैं।

अपने वर्कप्लेस को दक्षिण-पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में रखने से बचें, क्योंकि ये दिशाएं आर्थिक हानि का कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार वर्कप्लेस पर बैठने के लिए सबसे अच्छी दिशा चुननी जरूरी है। वर्कप्लेस में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए आपको और बिजनेस से जुड़े उच्च अधिकारियों को उत्तर या पूर्व की ओर मुख करके बैठना चाहिए। सभी एम्प्लोयी को ऐसे बैठना चाहिए कि उनकी पीठ मुख्य द्वार की ओर न हो।

किसी भी ऑफिस या दुकान का मुख्य द्वार आदर्श रूप से उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।किसी भी रूप में आप दक्षिण-मुखी प्रवेश द्वार से बचें, क्योंकि इससे व्यवसाय में संघर्ष और वित्तीय नुकसान हो सकता है। धन वृद्धि के लिए कैश काउंटर और लॉकर की स्थिति भी वास्तु अनुसार होनी चाहिए। धन को आकर्षित करने के लिए कैश काउंटर हमेशा उत्तर दिशा में होना चाहिए। ऑफिस के लॉकर या तिजोरी को उत्तर की ओर मुंह करके दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

अगर वर्कप्लेस पर कोई बीम है तो आपको

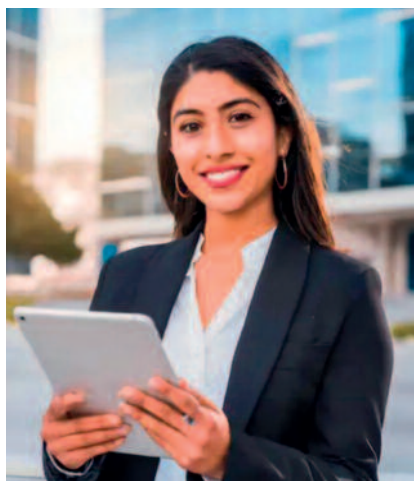

उसके ठीक नीचे बैठने से बचना चाहिए। बीम के ठीक नीचे बैठने से मानसिक तनाव बना रहता है। अपनी डेस्क ऐसी होनी चाहिए जिसके सामने खाली दीवार न हो। कैश लॉकर के सामने यदि आप दर्पण रखती हैं तो आपको बिजनेस में लाभ हो सकता है और आपकी समृद्धि बनी रह सकती है। ऑफिस में किसी भी तरह का टूटा शीशा नहीं होना चाहिए। अगर दरवाजे या खिड़की का शीशा टूट जाए तो उसे तुरंत ही बदल देना चाहिए। वर्कप्लेस में सफलता को आकर्षित करने के लिए दीवारों पर नीला, हरा या पीला रंग इस्तेमाल करें। उस जगह पर लाल और काले रंग के अत्यधिक इस्तेमाल से बचें क्योंकि ये जीवन में अस्थिरता ला सकते हैं।

दुकान या ऑफिस का नाम चुनते समय ज्योतिष या अंक ज्योतिष की राय अवश्य लें। ऐसा नाम चुनें जो सकारात्मक अंक ज्योतिष और व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ प्रतिध्वनित हो। यही नहीं नाम का उच्चारण और वर्तनी आसान होनी चाहिए।

रहना चाहते हैं फिट और हेल्दी तो अपनाएं इन्हें

रात का भोजन दिनभर के खानपान का अहम हिस्सा होता है। इसका आपके शरीर पर गहरा असर पड़ता है। रात को सही आहार खाना आपकी सेहत को बनाए रखने और नींद में सुधार लाने में मदद कर सकता है। अगर आप फिट और हेल्दी रहना चाहते हैं तो रात के खाने पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

सूप: हरी सब्जियों और दाल से बना सूप शरीर को हल्का रखता है और पर्याप्त पोषण देने का काम करता है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और वजन घटाने में सहायक हो सकता है।

सलाद : ताजे फल और सब्जियों का सलाद, जैसे खीरा, टमाटर, गाजर, और पत्तेदार साग, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होता है। सलाद हल्का और पचने में आसान होता है।

दही : दही में प्रोबायोटिक्स होते हैं जो पाचन तंत्र को सही रखते हैं। आप इसे फल या शहद के साथ खा सकते हैं।

दलिया: ओट्स फाइबर और प्रोटीन के लिए एक बेहतरीन सोर्स होते हैं। आप इसे दूध के साथ खा सकते हैं और अपनी पसंद के अनुसार फल डाल सकते हैं।

अंडे : अंडे प्रोटीन और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हैं। आप उबले अंडे या ओमेलेट बना सकते हैं, जो हल्के और स्वादिष्ट होते हैं।

कद्दू के बीज और नट्स : कद्दू के बीज और नट्स जिंक, आयरन और मैग्नीशियम का अच्छा स्रोत होते हैं, जो रात में शरीर की रिकवरी में मदद करते हैं। कुछ नट्स जैसे बादाम या अखरोट भी खाने के लिए अच्छे होते हैं।

कार्नर न्यूज

सही तरीके अपनाकर पा सकते हैं आप सुगठित शरीर

मसल्स वाली बॉडी बनाने की चाहत है तो इन टिप्स को देखिए आजमाकर , जल्द दिखने लगेगा असर

जिम जाकर खुद को फिट और बॉडी को बेहतरीन शेप देने की कोशिश कर रहे पुरुष चाहते हैं मसल्स वाली बॉडी बनाना। लेकिन कितने पुरुषों को इसका सही तरीका पता है? हो सकता है सबको सही तरीका पता हो, लेकिन इसके साथ किन गलतियों को करने से बचना है, वो न पता हो। जी हां अक्सर पुरुष मसल्स ग्रोथ करने की कोशिश में कुछ गलतियां कर बैठते हैं।

ये वो गलतियां हैं जो आपकी घंटों की मेहनत को बेकार कर देती हैं। ये आपके मसल्स ग्रोथ को बेहतर होने ही नहीं देती हैं। हो सकता है आप भी जिम में पसीना बहाते हुए ऐसी ही गलतियां कर रहे हों। इन गलतियों को पहचान लीजिए और मसल्स ग्रोथ को बढ़ा लीजिए।

लिफ्ट हों धीमे-धीमे

अक्सर कई पुरुष सोचते हैं कि बड़े मसल्स के लिए आपको भारी वजन जल्दी-जल्दी उठाना जरूरी होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप भारी वजन उठाइए लेकिन धीरे-धीरे। दरअसल धीरे-धीरे किए गए रैप्स के साथ किसी खास मसल्स पर फोकस करना आसान हो जाता है। धीमे रैप्स के साथ मसल्स

को उनके मोशन के फुल रेंज तक ले जाया जा सकता है। इसके साथ ग्रोथ और बेहतर और एक सी होती है

भारी वजन के ज्यादा रैप्स

याद रखिए, आप अगर आपको मसल्स ग्रोथ बढ़ानी है तो भरी वजन उठाने के साथ इसके रैप्स भी ज्यादा करने की कोशिश करनी होगी। सुनिश्चित करें कि आप सही फॉर्म में वजन उठाएं। अगर आपको लग रहा है कि आप एक्सरसाइज का मोशन पूरा नहीं कर पाएंगे तो हल्का वजन ही उठाएं लेकिन एक्सरसाइज पूरी करें। लेकिन ये बात भी सही है कि ज्यादा वजन उठाने पर रैप्स ज्यादा नहीं हो पाते हैं। हालांकि आप भारी वजन के साथ 8 से 10 रैप्स ले सकते हैं। इसलिए इतना करने की तो कोशिश करें हीं।

रिकवरी है जरूरी

याद रखिए, मसल्स ग्रोथ तब नहीं होती है जब आप जिम में मेहनत कर रहे होते हैं बल्कि ये तब होती है, जब मसल्स आराम कर रही होती हैं। किसी खास मसल्स ग्रुप की एक्सरसाइज करने के बाद इसे कम से कम 48 घंटे का आराम मिलना चाहिए। तब ये आसानी से रिकवर और ग्रो कर पाती हैं। इसके लिए टाइम टेबल बनाएं, जिसमें किसी खास मसल्स ग्रुप के लिए अलग-अलग दिन निश्चित किए गए हों। जैसे आपने सोमवार को

लेग डे सुनिश्चित किया है तो अगली बार ये एक्सरसाइज गुरुवार को ही करें।

एक ही मोशन की आदत है गलत

आपकी मसल्स को अगर एक ही तरह की एक्सरसाइज कराई जाती रहेगी तो इसको इसकी आदत पड़ जाएगी। इस आदत के चलते मसल्स ग्रोथ कम होने लगेगी। इसलिए जरूरी है कि आप मशीनों में हर कुछ दिन में बदलाव करते रहें। या फिर रैप्स की स्पीड और संख्या में भी बदलाव किए जा सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

10 साल बाद हुए अलग हुए कोर्टनी और जॉनी, हैरान कर रही वजह

मशहूर अमेरिकी टीवी शो 'फ्रेंड्स' की अभिनेत्री कोर्टनी कॉक्स और 'स्नो पेट्रोल' बैंड के म्यूजिशियन जॉनी मैकडैड का रिश्ता अब खत्म हो गया है। दोनों 10 साल से भी ज्यादा समय से साथ थे। कोर्टनी कॉक्स और जॉनी मैकडैड की मुलाकात साल 2013 के आखिर में एक हाउस पार्टी में हुई थी, जिसके बाद उन्होंने डेटिंग शुरू की। रिश्ते के 9 महीने बाद ही दोनों ने सगाई कर ली थी, लेकिन 2015 के आखिर में उनकी सगाई टूट गई। साल 2016 में दोनों फिर से साथ आ गए, लेकिन इस बार उन्होंने दोबारा सगाई नहीं की। इस जोड़ी को आखिरी बार सितंबर 2025 में 'यूएस ओपन' के दौरान एक साथ देखा गया था। इससे पहले जुलाई 2025 में कोर्टनी ने जॉनी के 48वें जन्मदिन पर इंस्टाग्राम पर एक बेहद प्यारी पोस्ट शेयर कर उन्हें विश किया था। लेकिन अब 10 साल के बाद कोर्टनी कॉक्स और जॉनी मैकडैड अलग हो चुके हैं। कोर्टनी ने साल 2024 में एक इंटरव्यू में बताया था कि जब 2015 में उनका पहली बार ब्रेकअप हुआ था, तो वह एक कपल्स थेरेपी सेशन के दौरान हुआ था। कोर्टनी ने कहा था, 'मुझे अंदाजा भी नहीं था कि जॉनी ब्रेकअप करने वाला है। मैं गहरे सदमे और दर्द में थी। लेकिन जॉनी भी रिश्ते में बहुत तकलीफ में था, इसलिए उसने अपने दिल की भलाई के लिए ऐसा किया।' कोर्टनी ने यह भी माना था कि उस ब्रेकअप ने उन्हें एक बेहतर इंसान बनने और अपनी कमियों को समझने में मदद की थी, जिसके लिए वह हमेशा शुक्रगुजार रहीं। लेकिन अब यह कपल हमेशा के लिए एक-दूसरे से अलग हो गया है।

टॉलीवुड

'बाहुबली 3' की छिड़ी चर्चा, वायरल वीडियो देख उत्साहित हुए फैंस

हाल ही में सामने आए प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी के एक वीडियो ने 'बाहुबली 3' को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा दी है।'बाहुबली' फ्रेंचाइजी को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद फैंस को लगने लगा है कि 'बाहुबली 3' जल्द ही आ सकती है।

दरअसल, 'बाहुबलीः द टॉर्च बियरर' नाम की डॉक्यूमेंट्री का एक क्लिप सामने आया है। इस वीडियो में प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी नजर आ रहे हैं और उनकी बातों ने फैंस की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। वीडियो में राणा कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि मुझे ये बात पब्लिक में कहनी चाहिए या नहीं लेकिन मैं जो सोच रहा हूं वो कह देता हूं। दुनिया शायद अभी तैयार नहीं है, लेकिन 'बाहुबली' जरूर आएगी' इतना कहकर वो रुक जाते हैं। इसके बाद प्रभास मुस्कुराते हुए तीन उंगलियां दिखाते हैं, जिससे वहां मौजूद सभी लोग हंस पड़ते हैं, और यहीं से 'बाहुबली 3' की चर्चा और तेज हो जाती है। वीडियो के आखिर में 'और यह विरासत जारी है!' लिखा आता है, जिसने फैंस को और ज्यादा एक्साइटेड कर दिया है। हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से 'बाहुबली 3' को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। ना ही ये साफ है कि फिल्म कब शुरू होगी, कहानी क्या होगी या इसे फिल्म, सीरीज या किसी और फॉर्मेट में बनाया जाएगा।

'बाहुबली' की शुरुआत 2015 में 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' से हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया था और इंडियन सिनेमा का लेवल ही बदल दिया था। इसके बाद 'बाहुबलीः द कन्क्लूजन' आई, जिसने और भी बड़ा रिकॉर्ड बनाया और आज भी यह भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल है।

भोजपुरी

खेसारी ने 'दरदिया ए बालम' में रानी के साथ किया धमाकेदार डांस

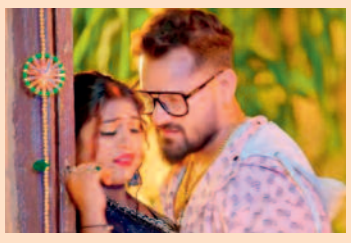

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव का नया गाना 'दरदिया ए बालम' रिलीज हुआ है। इसे उन्होंने और शिल्पी राज ने गाया है। खेसारी लाल यादव अपनी अदाकारी के साथ-साथ गायिकी और डांस के लिए भी मशहूर हैं। भोजपुरी फिल्म जगत के सुपरस्टार के गानों का फैंस के बीच अलग ही क्रेज है। खेसारी भी लोगों की डिमांड पर नए-नए गाने रिलीज करते रहते हैं। एक बार फिर वे एक धमाकेदार गाना लेकर आए हैं।

खेसारी लाल यादव नया भोजपुरी गाना लेकर आए हैं, जिसका टाइटल 'दरदिया ए बालम' है। इस गाने में उनका जबर्दस्त अंदाज देखने को मिला है। यह गाना खेसारी और रानी पर फिल्माया गया है। दोनों ने जबर्दस्त ठुमके लगाए हैं। गाना 'ग्लोबल म्यूजिक जंक्शन' के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने में रानी और खेसारी लाल यादव के बीच कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिली है। खेसारी ने अपने कई सिग्नेचर डांस स्टेप किए हैं। गांव वाली पृष्ठभूमि पर आधारित इस गाने में परंपराओं की भी झलक है और रोमांस का तड़का है। गाने को खेसारी लाल यादव ने और शिल्पी राज ने मिलकर गाया है। गाने के बोल टुनटुन यादव ने लिखे हैं। खेसारी इस गाने के रिलीज होते ही दो लाख 88 हजार से ज्यादा व्यूज मिले। कमेंट बॉक्स में नेटिजंस खूब तारीफ कर रहे हैं। खेसारी के फैंस लिख रहे हैं, 'यह गाना सीधे दिल में उतर रहा है'।

गोवा में बहार

लाइफ स्टाइल

एशिया के सबसे बड़े बीच और रिज़ॉर्ट वियर शोकेस, 'टाइमेक्स इंडिया बीच फैशन वीक' ने हिल्टन गोवा रिज़ॉर्ट में स्टाइल और इनोवेशन के यादगार जश्न के साथ अपने 11वें एडिशन का आयोजन किया। कैटवॉक में कई तरह के और बेहतरीन डिज़ाइनर्स शामिल हुए, जिन्होंने स्टेज पर अपनी अनोखी सोच और स्टाइल पेश किया। दो दिनों तक चले इस इवेंट में कई जाने-माने डिज़ाइनर, ब्रांड और थॉट लीडर्स शामिल हुए, जिससे भारत में रिज़ॉर्ट फैशन की मुख्य आवाज़ के तौर पर इस आयोजन की पहचान और मज़बूत हुई।

माथे पर खिलेगी ये बिंदिया, ऐसे करें डिजाइन पसंद

माथ का सुदरता बढ़ान क लिए आप अलग-अलग तरह की बिंदी के डिजाइंस को पसंद करके इसे लगाएं। इससे आपका लुक ही बदल जाएगा। साथ ही, आप सुंदर नजर आएंगी। आपको जानना चाहिए कि किस तरह की बिंदी डिजाइंस को आप लगा सकती हैं। जब भी हम तैयार होते हैं, तो पूरा श्रृंगार करते हैं। इसी श्रृंगार में आती है बिंदी। जिसे माथे पर लगाने से लुक ही बदल जाता है। इसलिए ज्यादातर महिलाएं तैयार होने के बाद अपने माथे पर बिंदी जरूर लगाती हैं। बिंदी हर एक आउटफिट के साथ अच्छी लगती है। लेकिन इसे भी आप अपने माथे के हिसाब से लगाएं। इससे लुक ज्यादा अच्छा लगेगा। आर्टिकल में बताते हैं कैसे आप माथे के हिसाब से बिंदी को चूज कर सकते हैं।

लंबी बिंदी

अगर आपका माथा चौड़ा है, तो ऐसे में आप लंबी बिंदी को लगा सकते हैं। इस तरह के माथे पर बिंदी लगने के बाद अच्छी लगती है। लंबी बिंदी में स्टोन वर्क और सिंपल डिजाइन वाली बिंदी भी मिल जाती है। इसे अपने आउटफिट के कलर के हिसाब से मैच करके माथे पर लगाएं। इसके बाद ही आपका पूरा लुक कंप्लीट होगा। इस तरह की बिंदी आपको मार्केट में कॉस्मेटिक की दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। जिसे लगाकर आप अपने माथे की रौनक को बढ़ा सकती हैं।

हाफ मून डिजाइन बिंदी

बिंदी में डिजाइन कई सारे मिलते हैं। लेकिन अच्छी वही लगती है, जो आपके माथे पर लगने के बाद सुंदर लगती है। ऐसे में आप इस बार त्योहारों पर हाफ मून डिजाइन वाली बिंदी को ट्राई कर सकती हैं। इस तरह की बिंदी लगन क बाद अच्छा लगगा। साथ हा, इस लगाने के बाद आपका फेस अलग लगने लगेगा। इस तरह की बिंदी को आप सिंपल डिजाइन में खरीदकर अपने माथे पर लगाएं। इसके बाद आपको ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसे आप त्योहारों पर लगाएंगी तो ज्यादा अच्छी नजर आएंगी।

छोटे डिजाइन वाली गोल बिंदी

गोल बिंदी लगाना हम सभी को पसंद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह हर माथे पर लगने के बाद अच्छी लगती है। आप अपने लिए अगर बिंदी को नहीं खरीद पाईं हैं, तो ऐसे में आप ब्लैक कलर के लाइनर से भी माथे पर बिंदी लगा सकती लहैं। इसके लिए आपको एक बॉब पिन लेनी है। इसमें लाइनर लेना है। इसके बाद माथे पर फोटो में नजर आने वाले बिंदी डिजाइन को क्रिएट करना है। इसे आप किसी खास दिन पर लगा सकती हैं।

इस बार माथे पर इन बिंदी को लगाएं। इससे आपका माथा सुंदर नजर आएगा। साथ ही, आप सुंदर दिखाई देंगी। माथे पर इस तरह की बिंदी को लगाने के लिए आप मार्केट से जाकर शॉपिंग कर सकती हैं।

को-ऑर्ड सेट डिजाइंस से पाएं ऑफिस में प्रोफेशनल लुक

अगर आप ऑफिस में प्रोफेशनल और स्टाइलिश लुक चाहती हैं, तो आप को-ऑर्ड सेट का चुनाव कर सकती हैं। यह आउटफिट स्टाइल करने के लिए बेस्ट आप्शन है, और इसमें आपका लुक खूबसूरत भी नजर आएगा। ऑफिस में किस तरह का आउटफिट स्टाइल करें, इसको लेकर महिलाएं काफी कन्फ्यूज रहती हैं। दरअसल, महिलाएं चाहती हैं कि वे जिस भी तरह का आउटफिट ऑफिस में स्टाइल करें, उसमें वे कम्फर्टेबल रहें, साथ ही, वे प्रोफेशनल और स्टाइलिश भी नजर आएं। वहीं, अगर आप भी ऐसा कुछ चाहती हैं, तो आप को-ऑर्ड सेट का चुनाव कर सकती हैं। यह आउटफिट ऑफिस में प्रोफेशनल लुक पाने के लिए बेस्ट है, और इस आउटफिट को स्टाइल करने के बाद आपका लुक खूबसूरत भी नजर आएगा। आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाले को-ऑर्ड सेट दिखा रहे हैं। ये को-ऑर्ड सेट ऑफिस में प्रोफेशनल लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन हैं, और इस आउटफिट को स्टाइल करने के बाद आपका लुक सुंदर भी नजर आएगा।

एम्बेलिश्ड वर्क को-ऑर्ड सेट

अगर आप ऑफिस के किसी इवेंट में शामिल हो रही हैं, तो फॉर्मल लुक पाने के लिए आप इस तरह के एम्बेलिश्ड वर्क को-ऑर्ड सेट का चुनाव कर सकती हैं। यह को-ऑर्ड सेट आपको कई सारे कलर ऑप्शन्स के साथ मिल जाएगा और इसे स्टाइल करने के बाद आपका लुक अच्छा लगेगा। यह आउटफिट आपको आसानी से मिल सकता है, जिन्हें आप 1,500 से 2,000 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस को-ऑर्ड सेट के साथ ब्लैक स्टाइलिश हील्स और पर्ल वर्क इयररिंग्स स्टाइल कर सकती हैं। अगर आप भीड़ से अलग नजर आना चाहती हैं, तो आप इस तरह के प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट का चुनाव कर सकती हैं। इस को-ऑर्ड सेट में प्रिंट करके बेहद ही खूबसूरत डिजाइन बनाया गया है और इस आउटफिट में आपका लुक सुंदर नजर आएगा।

फेस सीरम के फायदे ही नहीं, हैं कुछ नुकसान भी

क्या आप जानते हैं कि जहां फेस सीरम के कई फायदे हैं, वहीं गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर यह आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है? आइए जानते हैं फेस सीरम के फायदे, नुकसान और सही इस्तेमाल का तरीका। आजकल फेस सीरम स्किनकेयर का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे त्वचा में निखार पाना हो या फिर एंटी एजिंग ट्रीटमेंट चाहिए हो, हर कोई फेस सीरम का इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जहां फेस सीरम के कई फायदे हैं, वहीं गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर यह आपकी त्वचा को नुकसान भी पहुंचा सकता है?

फेस सीरम के फायदे

फेस सीरम त्वचा को गहराई से पोषण देता है। सीरम में मौजूद विटामिन सी, हायल्यूरोनिक एसिड और रेटिनॉल स्किन को गहराई से हाइड्रेट करते हैं।

इसमें एंटी-एजिंग के गुण होते हैं। ये चेहरे की झुर्रियों और महीन रेखाओं को कम करने में मदद करता है। फेस सीरम का इस्तेमाल स्किन टोन को बैलेंस करता है। दाग-धब्बे, मुहांसे और दाने व टैनिंग को कम करता है।यह त्वचा स्मूद और ग्लोइंग बनाता है। फेस सीरम के रोजाना इस्तेमाल से स्किन का टेक्सचर बेहतर होता है।

फेस सीरम से होने वाले नुकसान

इससे एलर्जी और जलन हो सकती है। संवेदनशील त्वचा पर रेटिनॉल या एसिड बेस्ड सीरम जलन और रैशेज़ पैदा कर सकता है। ओवर-एक्सफोलिएशन की समस्या भी हो सकती है। फेस सीरम के बार-बार इस्तेमाल से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो सकती है।

मानसून सीजन में सनस्क्रीन लगानी चाहिए या नहीं, जरूर जानें

हर किसी को अपनी त्वचा को बचाने के लिए सनस्क्रीन लगाना पसंद होता है। ऐसे में लोग अपनी त्वचा के हिसाब से सनस्क्रीन को खरीदते हैं। लेकिन क्या इसे बारिश के मौसम में लगाना चाहिए। इसके बारे में आर्टिकल में जानते हैं। जब भी त्वचा को प्रोटेक्ट करने की बात आती है, तो हम सबसे पहले चेहरे के लिए सनस्क्रीन को खरीदते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि जब महिलाएं बाहर किसी काम से निकलती हैं, तो बदलता मौसम उनकी त्वचा को जरूर नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में चेहरा डल दिखने लगता है। इसके लिए सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। लेकिन क्या इस क्रीम को बारिश के मौसम में भी लगाना सही है। आर्टिकल में जानते हैं क्या सनस्क्रीन को बारिश के मौसम में भी लगाया जा सकता है।

चेहरे पर सनस्क्रीन क्यों लगाते हैं

चेहरे पर सनस्क्रीन बाहर के बदलते मौसम और गंदगी से चेहरे को बचाने के लिए लगाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि तेज धूप और गर्मी का कुछ नहीं पता होता है। ऐसे में सबसे ज्यादा टैनिंग का असर चेहरे पर नजर आता है। इसलिए जब भी लोग बाहर निकलते हैं, तो अपने बैग में सनस्क्रीन जरूर रखते हैं। इसे लगाने से उनकी स्किन प्रोटेक्ट रहती है।

क्या मानसून में सनस्क्रीन लगाना चाहिए

बारिश के मौसम में भी जिस तरह की धूप निकलती है। इससे हमारी स्किन टैन होती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने स्किन टाइप के हिसाब से सनस्क्रीन को खरीदें। इससे आपकी त्वचा प्रोटेक्ट रहेगी। साथ ही, धूप की किरणों से होने वाली टैनिंग भी नहीं होगी।

कार्नर न्यूज

मेंस फैशन में स्किन केयर पर ध्यान देना ज्यादा जरूरी

बियर्ड रखना है जरूरी तो आपका फेसपैक होना चाहिए कुछ अलग, निखरेगा चेहरा

स्किन केयर सिर्फ महिलाओं का विषय नहीं है। हर पुरुष को भी अपने बिजी शेड्यूल में से कुछ वक्त निकालकर अपनी स्किन की देखरेख के बारे में सोचना चाहिए। जब हम स्किन केयर की बात करते हैं, तो पुरुषों के लिए बहुत कुछ नहीं बताया जाता। हालांकि अब समय बहुत बदल गया है। पुरुष भी इन दिनों अपनी स्किन की देखभाल करना पसंद करते हैं। पुरुषों के लिए अपने चेहरे और दाढ़ी की देखभाल करना एक मुश्किल काम होता है। गर्मियों के मौसम में ये काम थोड़ा और मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज हम आपको लिए तीन ऐसे आसान फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपको फ्रेश और प्रेजेंटेबल दिखने में मदद करेंगे।

मुल्तानी मिट्टी

कॉफी आपकी स्किन के लिए काफी अच्छी होती है। इससे आपकी स्किन पर ग्लो आता है और यह आपकी स्किन को अंदर से एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन की खूबसूरती को बनाए रखती है और कील-मुहांसों को दूर करने में मदद करती है। इसके अलावा इसे आप स्क्रब के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप थोड़ा कॉफी पाउडर ले लें और उसमें थोड़ा सा कोको पाउडर मिला लें। फिर इस मिश्रण में दूध मिलाकर एक अच्छा पैक तैयार कर लें। इस फेसपैक को स्किन पर अच्छी तरह से मसाज करते हुए लगाएं। पेस्ट सूखने के बाद इसे गीले वाइप से अच्छे से साफ करें और अपनी दाढ़ी को धो लें। इससे आपकी स्किन में भी ग्लो आता है और बियर्ड भी सही रहती है।

कॉफी पैक

कॉफी आपकी स्किन के लिए काफी अच्छी होती है। इससे आपकी स्किन पर ग्लो आता है और यह आपकी स्किन को अंदर से एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन की खूबसूरती को बनाए रखती है और कील-मुहांसों को दूर करने में मदद करती है। इसके अलावा इसे आप स्क्रब के रूप में भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप थोड़ा कॉफी पाउडर ले लें और उसमें थोड़ा सा कोको पाउडर मिला लें। फिर इस मिश्रण में दूध मिलाकर एक अच्छा पैक तैयार कर लें। इस फेसपैक को स्किन पर अच्छी तरह से मसाज करते हुए लगाएं। पेस्ट सूखने के बाद इसे गीले वाइप से अच्छे से साफ करें और अपनी दाढ़ी को धो लें। इससे आपकी स्किन में भी ग्लो आता है और बियर्ड भी सही रहती है।

नींबू और शहद

एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद मिलाएं। मिश्रण को अच्छी तरह मिलाकर त्वचा पर लगाएं। इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। अगर आप बियर्ड रखते हैं, तब भी इस पैक का आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ अतिरिक्त सुझाव अपने चेहरे को किसी अच्छे क्लींजर से नियमित रूप से साफ करें और साथ ही अपनी दाढ़ी को धोना न भूलें।एक अच्छे टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें।नियमित रूप से एक अच्छे Beard Oil का उपयोग करना न भूलें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

चेहरे को रोज सुबह उठने पर अच्छे से साफ करें। इससे स्किन पर गंदगी अंदर तक जमा नहीं होती है। स्किन पर नियमित रूप से क्लींजर का इस्तेमाल करें ताकि त्वचा में तेल या गंदे कण जमा न हो। स्किन को साफ करने के बाद अच्छे टोनर और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। इसके अलावा नियमित रूप से एक अच्छे बियर्ड ऑयल का उपयोग करना न भूलें। स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए आप डाइट में प्रोटीन और विटामिन्स की चीजें शामिल करें।